सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 23, नई दिल्ली

शनिवार, 08 अप्रैल 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

गरीब वह है जिसके पास ज्ञान की दौलत नहीं है !
धनहीन ज्ञानी गरीब कभी नहीं होता !

इनसाइड

नहर में गिरी राजस्थान रोडवेज की बस:दिल्ली से टोंक जा रही थी

नइ दिल्ली। राजस्थान के बहरोड़ के बॉर्डर के पास हरियाणा के रेवाड़ी जिले के कसौला थाना क्षेत्र में एक राजस्थान रोडवेज की बस नहर में जा गिरी। जानकारी के अनुसार हादसा सुबह 4:30 बजे हुआ। बस दिल्ली से टोंक जा रही थी। जिसमें राजस्थान और अहमदाबाद की 12 से ज्यादा सवारियां घायल हो गईं। हादसे की सूचना के बाद कसौला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की सहायता से रेवाड़ी के ट्रोमा अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनका उपचार किया गया। पुलिस के अनुसार हादसे के समय बस में करीब 50 सवारियां सफर कर रहीं थी। बस कंडक्टर हिमांशु मिश्रा ने बताया कि टोंक डिपो की बस RJ 09 PA 5006 दिल्ली के सराय काले खां से राजस्थान के टोंक जा रही थी। जैसे बस ने हरियाणा के धारूहेड़ा को क्रॉस किया तो आगे चल रहे ट्रक ने साइड दबा दी, जिससे बस अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। जिसमें 12 से ज्यादा सवारियां घायल हो गईं। जिन्हे रेवाड़ी के ट्रोमा सेंटर में भर्ती कराया।

परिवहन विभाग (स्क्रैपिंग सेल) द्वारा दिल्ली की जनता के लिए अद्भुत आदेश

संजय बाटला

नई दिल्ली। परिवहन विभाग के आला अधिकारियो की जनहित में जारी पॉलिसी के कारण दिल्ली की जनता को

a. ना तो अधिकृत ई वाहन किट लगाने वाले मिलने दिए,

b. ना ही दिल्ली का अपना अधिकृत स्क्रैप डीलर मिलने दिया,

c. ना ही दिल्ली की जनता के पक्ष में एनजीटी/वायु गुणवक्ता कमिटी/माननीय उच्चतम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने का प्रयास किया,

d. दिल्ली में स्वयं डीजल वाहनों को 15 वर्ष की आयु प्रदान करने के बाद भी वाहनों को अपने ही प्रिय स्क्रैप डीलरो को अपनी ताकत का गलत प्रयोग कर के सुपुर्द करने का कार्य कर रहे हैं,

आप सभी की जानकारी हेतु बता दें की किसी भी राज्य के परिवहन विभाग का

1. पहला दायित्व वहा की जनता को सुखद, विश्वसनीय और सुरक्षित सार्वजानिक सवारी सेवा उपलब्ध करवाना :- जो दिल्ली परिवहन विभाग आज में करवाने में विफल साबित हो रहा है।

2. दूसरा दायित्व है जनहित में जनता को घर के पास परिवहन विभाग की शाखाओं को प्रदान करना :- आज दिल्ली परिवहन विभाग पहले से बनी शाखाओं को जनहित का नाम लेकर बंद करने में प्रयासरहित है,

3. राज्य की जनता को उनकी जरुरत अनुसार सुरक्षित / दुर्घटना रहित / जाम मुक्त सड़के उपलब्ध करवाना :- दिल्ली परिवहन विभाग इसे उपलब्ध करवाने में पूर्ण रूप से विफल है,

दिल्ली परिवहन विभाग के आला अधिकारी जनहित के नाम का प्रयोग कर जितनी भी पालिसी बना कर लागू करने में व्यस्त हैं उससे फायदा सिर्फ परिवहन विभाग के प्रिय उद्योगपतियों / व्यवसायियों को ही मिल रहा है ना की राज्य की जनता को।

हम पहले भी आप को कई बार सबूतों के साथ यह दिखा और बता चुके है कैसे परिवहन विभाग गैर कानूनी तरीके से पैसे वसूल कर राजस्व में इज़ाफ़ा करने में लगा हुआ है।

वाहन मालिक द्वारा वाहन की फिटनेस और परमिट फीस जमा होने के बावजूद उससे दुबारा गैर कानूनी तरीके से फीस मांगना और वसूलने के लिए एप प्रोग्राम बनवाना दिल्ली में सिर्फ परिवहन विभाग के आला अधिकारी द्वारा ही करवाया जा सकता है क्योंकि जनहित से ज्यादा उनका उद्देश्य राजस्व में इज़ाफ़ा करवाना है किसी भी

तरीके से ! क्योंकि परिवहन विभाग जनहित के नाम से जनता के अलावा सबका हित करवाना पसन्द करता है।

डिम्ट्स नाम की कम्पनी को अलग अलग ढंग से वाहन मालिको से पैसा कमवाने की छूट देने के साथ कही तरीको से परिवहन विभाग से पैसे देकर फायदा करवाना,

डीटीआईडीसी नामक कम्पनी को गैर कानूनी तरीके से पैसा मांगने और उस गैर कानूनी मांग के पैसे को वसूल करवाने के लिए सरकारी ताकत का दुरुपयोग करवाना,

जनता के वाहनों को एमवी एक्ट या माननीय न्यायालय के आदेशो की अवहेलना करने पर वाहन के चालान करवाने/ करने या वाहन को जब्त कर सरकारी पिट में रखवाना है पर परिवहन विभाग उसे सीधा किसी तीसरे को अपनी ताकत का प्रयोग कर गैर कानूनी तरीके से सुपुर्द कर रहा है,

दिल्ली की जनता की मदद और हित के लिए बनाए गए विभाग के आला पद पर आसीन होकर जनता के हित मे कार्य करने की जगह अन्य के हित के लिए कार्य कर रहे हैं आला अधिकारी दिल्ली परिवहन विभाग।

वाहनों जिनको माननीय न्यायालय के आदेश से सड़को पर चलाना वर्जित हुआ है उसे भी डरा धमकाकर / अपनी ताकत का दुरुपयोग कर आदेश पारित कर अपनें प्रिय स्क्रैप डीलरो को सुपुर्द करवाकर उनको कमाई करवाने में लग गए, कितना जनप्रिय है ना आदेश

दिल्ली से बाहर के पंजीकृत / अधिकृत स्क्रैप डीलरो में से अपनी पसन्द के चार डीलरो को अपनी इच्छा से दिल्ली के अलग अलग क्षेत्रो के वाहनो को परिवहन विभाग की ताक़त से उठाकर स्क्रैप करने का कार्य सोप दिखाया, कितना जनहित और जनप्रिय है ना यह आदेश

दिल्ली की जनता अगर एम.वी.एक्ट के अनुसार या माननीय न्यायालय के आदेशो की अवहेलना करता पाया जाता हैं तो प्रवर्तन शाखा के अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा चालान कटवा कर अपनी पिट में जमा करना हो सकता है ना कि किसी अन्य को वाहन सुपुर्द करवाना।

पूर्ण सच को सबूतों के साथ जानने के लिए सोमवार को परिवहन विशेष का अंक और यूट्यूब पर न्यूज़ ट्रांसपोर्ट विशेष पर विडियो एवम्समाचार देखना ना भुलना।

दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे का निरीक्षण करने पहुंचे केंद्रीय मंत्री

लोनी। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, राज्यमंत्री जतिन प्रसाद, राज्यमंत्री व सांसद वीके सिंह बृहस्पतिवार को दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे का निरीक्षण करने पहुंचे। लोनी में भाजपाइयों ने मंत्रियों का फूलमाला से स्वागत किया। मंत्रियों का काफिला निकलने के दौरान रूट को कुछ समय के लिए बंद किया गया।

दिल्ली-खजूरी से नितिन गडकरी का काफिला करीब सवा 12 बजे लोनी पुश्ता मार्ग पर पहुंचा। पुलिस चौकी के सामने भाजपाई ढोल-नगाड़ों के साथ पहुंचे। काफिला मंडोला से होते हुए करीब साढ़े 12 बजे बागपत की सीमा में पहुंच गया। इस दौरान लोनी से मंडोला जाने वाले ट्रैफिक को रोका गया। मंडोला से खजूरी पुश्ता जाने वाले रास्ते के ट्रैफिक को भी कुछ समय के लिए रोका गया था।

212 किलोमीटर का एक्सप्रेसवे बन रहा

छह लेन का दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे करीब 212 किलोमीटर का बन रहा है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद दिल्ली से देहरादून की दूरी मात्र दो घंटे की हो जाएगी। एक्सप्रेसवे उत्तर-पूर्व दिल्ली में अक्षरधाम से शुरू होगा और लोनी, बागपत, शामली तथा सहारनपुर से होते हुए गुजरेगा। करीब 12 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। निर्माण कार्य इस वर्ष दिसंबर के आखिर तक पूरा होने की संभावना है। इस एक्सप्रेसवे पर कई सुविधाएं विकसित की जाएंगीं।

तेजी से चल रहा काम

एनएचएआई इस एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रहा है। काम बहुत तेजी से चल रहा है। एक्सप्रेसवे तीन चरणों में बनाया जाएगा। पहला चरण दिल्ली स्थित अक्षरधाम से लेकर ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे टोल तक करीब 32 किमी. का होगा। पहले भाग में अक्षरधाम से दिल्ली की सीमा तक 15 किमी. मार्ग का निर्माण और दूसरे भाग में दिल्ली सीमा से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे टोल तक 17 किमी. तक निर्माण कार्य हो रहा है। दोनों भाग में करीब 50 प्रतिशत तक एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जाना है। कोरिडोर के निर्माण के बाद बागपत, शामली और सहारनपुर के उद्यमी और ग्रामीण कम समय में सीधे दिल्ली पहुंच सकेंगे।

"किरतपुर-नेरचौक फोरलेन का 15 मई को उद्घाटन कराने का प्रयास"

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को निर्माणाधीन फोरलेन की सबसे बड़ी टनल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा कि फोरलेन का 15 मई को केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से उद्घाटन करवाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने देश भर में आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ किया है। भानुपल्ली-बिलासपुर रेललाइन को इस बार बजट में 1000 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। किरतपुर-नेरचौक फोरलेन का काम रिकॉर्ड समय में पूरा किया है। सभी टनल का काम पूरा हो चुका है।

बाकी का काम भी 15 मई से पहले पूरा हो जाएगा। फोरलेन बनने से लोगों के समय की बचत होगी। तीन घंटे का सफर मात्र 40 मिनट में हो जाएगा। टनल का निरीक्षण करने के बाद अनुराग स्वारघाट में भाजपा मंडल श्री नयना देवी के कार्यकर्ता मिलन समारोह में शामिल हुए। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं श्री नयनादेवी जी के विधायक रणधीर शर्मा ने हिमाचल के प्रवेश द्वार गरामोड़ा में अनुराग ठाकुर का स्वागत किया। कार्यकर्ता मिलन समारोह के बाद अनुराग ने जन समस्याएं सुनीं और अधिकतर का मौके पर निवारण भी किया।

बता दें किरतपुर-नेरचौक फोरलेन की सबसे बड़ी सुरंग बनकर तैयार है। उपमंडल श्री नयनादेवी जी के कैंची मोड़ स्थित 1800 मीटर लंबी इस सुरंग में ऑक्सीजन और नाइट्रोजन गैसों की मात्रा जानने वाले सेंसर लगाए गए हैं। सुरंग में वेंटिलेशन के लिए फैन, सुरक्षा के लिए टेलीफोन, कैमरे और अग्निशमन यंत्र भी स्थापित किए गए हैं। टनल में हाई मास्ट लाइट्स भी लगाई गई हैं। यह सुरंग 22 माह में बनकर तैयार हुई है। इस पर करीब 300 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

ग्रीन एनर्जी और क्लाइमेट चेंज पर केंद्र बजट में प्रावधान, सीएम इसे कह रहे अपना : अनुराग

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने श्री नयना देवी जी विधानसभा क्षेत्र के स्वारघाट में भाजपा के कार्यकर्ता मिलन समारोह में शिरकत की। अनुराग ने कहा कि केंद्र सरकार ने हिमाचल के लिए कोई कमी नहीं रखी। बिलासपुर जिले के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज, किरतपुर से नेरचौक फोरलेन, रेलवे लाइन के लिए 1000 करोड़ का बजट उपलब्ध करवाया। उन्होंने कांग्रेस पर महिलाओं को गुमराह करने का आरोप लगाया। कहा कि बजट घोषणा में इन्होंने प्रदेश में मात्र 2 लाख 31 हजार महिलाओं को 1500 रुपये प्रतिमाह देने की बात की है। इसकी भी देनदारी के लिए बजट में कोई प्रावधान नहीं दिखता। जब यह सरकार बनी थी तो हिमाचल की 32 लाख महिलाओं की बात की जा रही थी।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में प्राकृतिक गैस पर किरीट पारिख समिति की सिफारिशों को मंजूरी दी गई।

नए फॉर्मूले से तय होंगे सीएनजी-पीएनजी के दाम, 10 फीसदी तक घटेंगी कीमतें; समझें पूरा गणित

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। इस फैसले से दिल्ली में सीएनजी व पीएनजी के दामों में 6 रुपये तक की कमी आ सकती है। दिल्ली में अभी सीएनजी 79.56 रुपये प्रति किलो व पीएनजी 53.59 रुपये हजार घन मीटर है। वहीं, मेरठ में सीएनजी आठ रुपये और पीएनजी 6.50 रुपये तक सस्ती हो सकती है।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने घरेलू प्राकृतिक गैस की कीमत तय करने के लिए नए फॉर्मूले को मंजूरी दी है। साथ ही सीएनजी और पाइप से आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस की कीमतों की अधिकतम सीमा भी तय कर दी। इससे सीएनजी व पीएनजी के दाम 10 फीसदी तक घट जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में प्राकृतिक गैस पर किरीट पारिख समिति की सिफारिशों को मंजूरी दी गई।

सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि पारंपरिक क्षेत्र से उत्पादित प्राकृतिक गैस (एपीएम) को अब अमेरिका-रूस की तरह कच्चे तेल की कीमतों से जोड़ा जाएगा। पहले गैस कीमतों के आधार पर मूल्य तय होता था। अब एपीएम गैस की कीमत भारतीय बास्केट में कच्चे तेल के दाम का 10 फीसदी होगी। हालांकि, यह कीमत 6.5 डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश ताप इकाई (एमएमबीटीयू) से अधिक नहीं होगी। आधार मूल्य चार डॉलर प्रति एमएमबीटीयू रखा गया है। मौजूदा गैस कीमत 8.57 डॉलर है।

हर महीने तय होंगी कीमतें

नए फॉर्मूले में दो साल तक सीलिंग फिक्स रहेगी। फिर 0.25 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की प्रतिवर्ष बढ़ोतरी होगी। सीएनजी-पीएनजी की कीमतों का निर्धारण

अब हर महीने होगा। अभी दरें हर छह महीने में तय होती हैं।

20 फीसदी प्रीमियम के रूप में इंसेंटिव दिया जाएगा

गैस उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रस्ताव है कि अतिरिक्त उत्पादन पर 20 फीसदी प्रीमियम दिया जाएगा। मौजूदा उत्पादक यदि गैस उत्पादन बढ़ाते हैं, तो उन्हें घोषित दाम के अलावा 20 फीसदी प्रीमियम के रूप में इंसेंटिव दिया जाएगा। उत्पादकों को इससे नई प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

जीएसटी के दायरे में लाने की सिफारिश

पारिख समिति ने गैस को जीएसटी के दायरे में लाने की भी सिफारिश की है। इसमें गैस पर सामान्य कर लगाने की सिफारिश की गई है, जो तीन फीसदी से लेकर 24 फीसदी तक हो सकता है। इससे गैस बाजार को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

एक साल में 80 फीसदी बढ़े दाम

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा की कीमतें बढ़ने से देश में सीएनजी और पीएनजी के दाम एक साल में 80 फीसदी बढ़ गए हैं।

दिल्ली में छह और मेरठ में आठ रुपये तक कम होंगे दाम

इस फैसले से दिल्ली में सीएनजी व पीएनजी के दामों में 6 रुपये तक की कमी आ सकती है। दिल्ली में अभी सीएनजी 79.56 रुपये प्रति किलो व पीएनजी 53.59 रुपये हजार घन मीटर है। वहीं, मेरठ में सीएनजी आठ रुपये और पीएनजी 6.50 रुपये तक सस्ती हो सकती है।

साल 2014 से वर्तमान में 2019-2024 तक 303 सांसदों के बूते पूर्ण बहुमत से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार राष्ट्रवाद के मुद्दे पर सत्तासीन है।

भगवा से अब बनी भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी का सफर

एस.डी सेठी

परिवहन विशेष, नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी का भगवा इतिहास भारतीय जनसंघ जिसकी स्थापना 21अक्टूबर 1951 को दिल्ली में हुई थी। वहीं इसके नक्शे कदम के तहत राजनीतिक के चौले में भारतीय जनता पार्टी का गठन 6 अप्रैल 1980 को हुआ। यानि 72 साल की निरंतर मेहनत के बूते आज अपने सियासी इतिहास के सबसे बुलंद मुकाम पर है।

केंद्र से लोकर देश के आधे से ज्यादा राज्यों की सत्ता पर काबिज है। शून्य से लेकर शिखर तक का सफर तय करने में उसकी 72 साल की लम्बी तपस्या, संघर्ष यात्रा में खासी उतार चढाव से भरी रही है। राष्ट्रीय से अन्तरराष्ट्रीय की सबसे बडी राजनीतिक पार्टी का तमगा पाने वाली बीजेपी की नींव को खंगालते हैं।

भाजपा की नींव में जनसंघ के रोल की बुनियाद डां श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने रख दी थी। डॉ. मुखर्जी आजाद हिंदुस्तान में कांगेस के पंडित जवाहर लाल नेहरू के मंत्रीमंडल में रहे थे।उन्होंने 19 अप्रैल 1950 को नेहरू मंत्रीमंडल से वैचारिक मतभेद से इस्तीफा देकर कांग्रेस के विकल्प में एक नई राजनीतिक पार्टी खडी करने का बीडा उठाया। जिसकी वजह में महात्मा गांधी की हत्या के बाद (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाना था। भारतीय जनसंघ की स्थापना 21अक्टूबर 1951 में उसके स्थापको में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ,प्रो. बलराज मधोक, और दीनदयाल उपाध्याय थे। जनसंघ का चुनाव चिन्ह ' दीपक' और झंडा भगवा रंग का रखा गया। 1952 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनसंघ के टिकट और ,दीपक, चुनाव चिन्ह पर 94 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। जिनमें से केवल 3सांसद ही जीते। दो पश्चिम बंगाल और एक राजस्थान से थे। जनसंघ के मुख्य मुद्दो में देश में समान नागरिक संहिता, गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध और जम्मू कश्मीर से धारा 370 खत्म करना था।

इन मुद्दो को लेकर 1953 में जनसंघ ने जम्मू -कश्मीर में बडा अभियान चलाया। वहां मुख्यमंत्री के बजाए प्रधानमंत्री का पद होता था। इस आंदोलन पर कांग्रेस ने 8 मई 1953 को डॉ. मुखर्जी को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया। गिरफ्तारी के 40 दिन बाद 23 जून 1953 को मुखर्जी का निधन हो गया। जनसंघ में टर्निंग पॉईंट साल 1975 मे आया। जब इन्दिरा गांधी ने आपातकाल लागू कर दिया। वर्ष 1977 में जब इंदिरा गांधी ने इमर्जेंसी खत्म की तो कांग्रेस के विरोध में जनसंघ का' जनता पार्टी 'में विलय हो गया। जनता पार्टी के संयुक्त गठन में संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी, भारतीय लोकदल, कांग्रेस ओ, जनसंघ को मिलाकर किया गया। जनता पार्टी की अगुवाई मोरारजी देसाई में केंद्र में सरकार बनी। इस दौरान काफी उठक-पटक हुई।

साल 1980 के लोकसभा चुनाव में जनता पार्टी को करारी हार का मुंह देखना पडा। इसके बाद अपने सियासी फायदे के चलते जनता पार्टी खत्म हो गई। मगर जनसंघ के नेता अटलबिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी समेत अन्य नेताओ ने 6 अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी के नाम से नई राजनीतिक पार्टी का ऐलान दिल्ली के राम लीला मैदान से किया। अटल बिहारी वाजपेयी भाजपा के पहले अध्यक्ष बने।भाजपा के संस्थापक सदस्यों में अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी। मुरलीधर मनोहर जोशी, नाना जी देशमुख, के आर मलकाणी, सिकंदर बख्तर, विजय कुमार मल्होत्रा, विजय राजे सिंधिया, भैरो सिंह शेखावत, शांता कुमार,, र जगन्नाथ राव थे। अब बीजेपी का चुनाव चिन्ह 'कमल' का फूल बनाया गया।

6 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी ने अपना 43 वां स्थापना दिवस मनाया। बता दें कि साल 1984 के चुनाव में बीजेपी के मात्र 2 ही सांसद लोकसभा पहुंचे थे। साल 1989 में ये संख्या बढ कर 85 हो गई। 1991 के लोकसभा चुनाव में 120 सीटे मिली। इसी क्रम में साल 1996 में 161 सीटों के साथ बडी पार्टी बनकर उभरी। साल 1998 में 182 सांसद बने। और अटलबिहारी वाजपेई के नेतृत्व में एनडीए के गठन से सरकार बनी । 1999 में केंद्र में वाजपेई के नेतृत्व में मजबूत सरकार बनी। साल 2014 से वर्तमान में 2019-2024 तक 303 सांसदों के बूते पूर्ण बहुमत से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार राष्ट्रवाद के मुद्दे पर सत्तासीन है। बीजेपी के अध्यक्षों की बात करें तो 1980-अटलबिहारी बाजपेई, 1986-91 लाल कृष्ण आडवाणी, 1991-93 डॉ. मुरलीधर मनोहर जोशी, 1993-98 एलके आडवाणी, 1999 में कुशाभाउ ठाकरे, बंगारू लक्ष्मण और जनकृष्णामूरति, उसके बाद साल 2002-04 तक भाजपा की कमान वैंकया नायडू, ने संभाली। फिर लाल कृष्ण आडवणी, और नितिन गडगरी के नेतृत्व में पार्टी और आगे बडी, । साल 2013 -14, में नरेंद्र मोदी, के पीएम बनने के बाद अमित शाह, और अब जगत प्रसाद नड्डा के हाथ में भारतीय जनता पार्टी की कमान सौंप दी है। कयास लगाए जा रहे हैं कि साल 2024 के होने वाले लोकसभा चुनाव में पार्टी पुनः सत्ता में वापसी करने का दावा कर रही है।

इनसाइड

प्रेग नेंसी में मोबाइल रेडिएशन से दूरी बनाना जरूरी वरना शिशु को हो सकता है मेंटल प्रॉब्लम

अगर गर्भवती महिला के आसपास अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन है, तो उसके पेट में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर बहुत ही बुरा असर पड़ सकता है. यही नहीं, बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ सकता है. जानें, प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल रेडिएशन से अजन्मे बच्चे के विकास में क्या समस्या आ सकती है और इससे कैसे बचा जा सकता है. हम सभी सुनते आए हैं कि अधिक मोबाइल फोन का इस्तेमाल हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाता है. खासतौर पर प्रेग्नेंट महिला और उसके पेट मे पल रहे बच्चे के लिए ये और भी खतरनाक हो सकता है. प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से पेट में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ता है और इसकी वजह से प्रीमेच्योर डिलीवरी तक हो सकती है. केवल मां ही नहीं, अगर मां के आस पास लोग वायरलेस चीजों का अधिक इस्तेमाल कर रहे है तो इसका भी भ्रूण में पल रहे बच्चे पर खराब असर पड़ सकता है. मॉमजंक्शनमें छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में किए गए शोध में पाया गया है कि अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन में अगर गर्भवती मां रहती है तो जन्म के बाद बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ता है. यही नहीं, इसकी वजह से गर्भ में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है. तो आइए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बच्चे को क्या नुकसान हो सकता है और हम इससे कैसे बच सकते हैं.

वायरलेस डिवाइस कैसे करता है प्रभावित

दरअसल जब हम मोबाइल, लैपटॉप या किसी भी तरह के वाइफाई या वायरलेस डिवाइस के संपर्क में आते हैं तो इससे हर वक्त इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियो वेव्स निकलते रहते हैं. ये वेव्स हमारे शरीर के डीएनए को डैमेज करने की क्षमता रखते हैं और हमारे शरीर में बन रहे जीवित सेल्स के मोलक्यूल्स को बदल सकते हैं. जिसका असर लॉग टर्म काफी खतरनाक हो सकता है. चूंकि भ्रूण हर वक्त ग्रोथ कर रहा है ऐसे में उसके डीएनए और लीविंग सेल्स आसानी से इसकी चपेट में आ सकते हैं. जिसका दूरगामी असर भी काफी खतरनाक हो सकता है.

क्या कहता है शोध

अलग अलग शोधों में पाया गया कि मोबाइल के इस्तेमाल से बच्चे पर कोई खास असर नहीं पड़ता लेकिन अगर मां और बच्चा 24 घंटे मोबाइल रेडिएशन के बीच हैं तो बच्चे की मेमोरी, ब्रेन ग्रोथ और बिहेवियर में खतरनाक रूप से समस्या आ सकती है. शोधों में यह भी पाया किया गया कि प्री और पोस्ट डिलीवरी के बाद ऐसे बच्चों में हाइपरटेंशन की समस्या हो जाती है जो समय के साथ बढ़ती जाती है. यही नहीं, बच्चे की भाषा, संचार पर भी इसका बुरा असर पड़ता है.

इस तरह करें बचाव

- घर में जहां तक हो सके वाई फाई या ब्लूटूथ उपकरणों का इस्तेमाल कम करें.
- बेहतर होगा अगर आप मोबाइल की बजाय लैंड लाइन फोन का इस्तेमाल करें.
- रेडियो, माइक्रोवेव, एक्सरे मशीन आदि से दूरी बनाएं.
- मोबाइल टावर आदि के आस पास घर ना लें.

गर्भावस्था में मोबाइल के नुकसान

-गर्भवती महिलाओं में रेडिएशन से मस्तिष्क की गतिविधि पर भी प्रभाव पड़ सकता है जिससे थकान, चिंता और नींद में रुकावट पैदा होती है.
-गर्भावस्था के दौरान रेडियो वेव्स के लगातार संपर्क से आगे जाकर कैंसर का खतरा बन सकता है.
-मां गर्भावस्था के दौरान फोन का अधिक इस्तेमाल करे या काफी करीबी लोग घर पर इसका इस्तेमाल करें तो बच्चे के व्यवहार में 50 प्रतिशत बदलाव देखने को मिलता है.

-ऐसे बच्चे अधिक एग्रेसिव और हाइपरटेंशन के पेशेंट हो जाते हैं.

आप भी पुरानी बातों को लेकर रहती हैं बेचैन? इन 4 तरीकों से जिंदगी बनाएं खुशहाल, मिलेगी हर मंजिल

अगर आप चाहती हैं कि आपकी जिंदगी बेहतर बने, तो अपने पुराने निर्णयों को स्वीकारना शुरू करें और उन्हें जीवन में बड़ी सीख की तरह देखें. ऐसा करने से आप उन्हें जीवनभर बोझ बनाकर ढोने से बच जाएंगी और आगे बेहतर तरीके से जी सकेंगी.

अगर आपको इस बात का पछतावा रहता है कि आपके कुछ गलत निर्णयों की वजह से आपकी जिंदगी आज बुरे हालातों से गुजर रही है तो ऐसा सोचने वाली अकेली आप नहीं हैं. खासतौर पर अगर आपने अपने किसी निर्णय की वजह से कुछ बहुत ही खास चीज को खो दिया है या जीवन में बहुत बड़ा बदलाव आया है तो ये पछतावा आपको जीवनभर के लिए अवसाद में जीने को मजबूर कर सकता है. यहां हम आपको बता रहे हैं कि आप पुराने पछतावों से किस तरह खुद को उबार सकती हैं और पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने जीवन में आगे बढ़ सकती हैं.

पुराने पछतावों से खुद को ऐसे उबारें

लिस्ट बनाएं

जीक्यूइंडियाके मुताबिक, पछतावों से खुद को उबारने के लिए उन चीजों की लिस्ट बनाएं जो आपने अपनी गलतियों से सीखी है. दरअसल गलत निर्णय जीवन में सीख की तरह होते हैं. अगर आप इन्हें सकारात्मक तरीके से स्वीकारें तो ये आपको जीवन में आगे होने वाली गलतियों से आपको बचा सकते हैं. इस तरह आप खुद की गलतियों को यादा करें और उनसे सीख लें. इस तरह आप बेहतर डिसीजन मेकर बन पाएंगी.

खुद को करें माफ

गलतियों की वजह से अपनी जिंदगी को बर्बाद करने और खुद का सजा देने की बजाय बेहतर होगा कि आप खुद को माफ करें. ऐसा करने से आप चीजों को भूलकर आगे खुशहाल रहेंगी और आगे जजमेंटल होकर निर्णय नहीं लेंगी.

अपने पछतावों को लिखें

आप अपने अंदर पल रही निगेटिव फीलिंग्स को दूर करने के लिए अपने पछतावों को एक जगह लिखें और विचार करें कि क्या ऐसा ना होने पर आपकी जिंदगी सच में बदली होती ! यकीन मानिए, आपके सवालों का जवाब आपको जैसे ही मिल जाएगा आप पछतावों से छुटकारा पा जाएंगी.

इस विषय पर करें बात

अगर आपको यह लग रहा है कि आप अपने पछतावों के तले दबा हुआ और घुटन सा महसूस कर रही हैं तो बेहतर होगा कि आप किसी अपने विश्वसनीय से इस विषय पर बात करें. कई बार अपनी फीलिंग्स को शेयर कर लेने और खुलकर बात कर लेने से भी बेहतर महसूस होता है.

बिज़ी लाइफ में इन तरीकों से महिलाएं निकालें खुद के लिए समय

महिलाओं को खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टस्क हो गया है. महिलाओं को खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टस्क हो गया है.

कामकाजी महिलाओं (Working Women) के ऊपर घर के साथ-साथ ऑफिस की भी जिम्मेदारी होती है. ऐसे में कुछ तरीकों की मदद से वे अपना काम आसान कर सकती हैं और अपने लिए समय बचा सकती हैं ताकि वे अपनी सेहत का भी ध्यान रख सकें.

आजकल के बिजी लाइफस्टाइल में खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टास्क हो गया है. इस समस्या से सबसे अधिक महिलाएं प्रभावित हैं और जो महिलाएं वर्किंग हैं उनके लिए तो खुद के लिए समय निकालना नामुमकिन है. वर्किंग विमेन (Working Women) के ऊपर घर के साथ-साथ ऑफिस की भी जिम्मेदारी होती है. जिसे पूरा करते-करते वे ना तो चैन की सांस ले पाती हैं और ना ही अपनी नींद पूरी कर पाती हैं. ऐसे में स्वास्थ्य पर काफी गहरा असर पड़ता है.
इस समस्या को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि आज के इस आर्टिकल में हम कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं जो आपके बहुत काम आ सकते हैं.

चाबियों पर लगाएं अलग-अलग रंग की नेल पॉलिश

अक्सर जब किसी काम को जल्दी पूरा करना हो या हम जब जल्दी में होते हैं तभी छोटी-छोटी चीजों की वजह से देर होने लगती. ऐसे में आप अपने घर की कई चाबियों को अलग-अलग रंग की नेल पॉलिश से रंग सकते हैं. इससे आपको पर्टिकुलर लॉक के लिए सारी चाबी लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और इससे आप अपने समय की बचत कर सकते हैं.

कंघी करते समय रखें ध्यान

ऑफिस जाते समय जल्दी-जल्दी में बालों को सुलझाने में महिलाएं बालों के साथ खींचतान करने लगते हैं. जिससे बाल अधिक टूटते हैं और नीचे गिर कर काम बढ़ा देते हैं. इससे बचने के लिए अपने हेयर ब्रश में बटर पेपर लगाकर कंघी करें. इससे बाल जल्दी सुलझ जाएंगे और नीचे भी नहीं गिरेंगे.

हेयर स्ट्रेटनर से प्रेस करें

सुबह के समय जल्दी रहे तो आप प्रेस के लिए हेयर स्ट्रेटनर का इस्तेमाल कर सकते हैं. इससे आपके कपड़े जल्दी प्लेस होंगे और आपका समय बच जाएगा.

कम पढ़ी-लिखी महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहे हैं ये ऐप्स

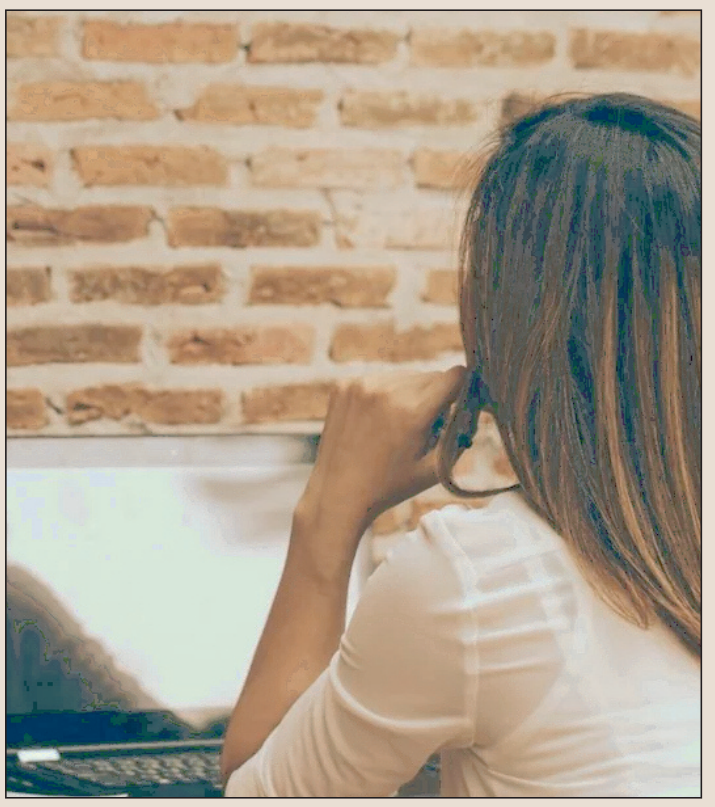

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में इंटरनेट टेक्नोलॉजी सबसे ज्यादा फायदेमंद साबित हुई है.

दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, हैदराबाद, पुणे और अन्य मेट्रो सिटीज में ऐप्स की मदद से आगे बढ़ रही हैं और पैसे भी कमा पा रही हैं. सबसे खास बात यह है कुछ प्लेटफॉर्म्स पर महिलाओं को नौकरी के लिए बहुत ज्यादा फॉर्मल तरीका नहीं अपनाना पड़ता, जिससे उनकी झिझक कम हो जाती है.
अगर आप किसी कारणवश अपनी डिग्री पूरी नहीं कर पाई हैं, या आपने केवल 10वीं या 12वीं तक की ही पढ़ाई की है और आप अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती हैं, इस अब आपको ऐसा मौका मिल सकता है. क्योंकि देश में कई ऐसे मोबाइल ऐप बनाए गए हैं, जो खासरकर महिलाओं को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं. इन ऐप्स के इस्तेमाल से महिलाओं ने 2021 में तरक्की के कई रास्ते खोले और अब 2022 में भी ये उनकी मदद कर रहे हैं. दिल्ली-एनसीआर (**Delhi-NCR**), मुंबई, हैदराबाद, पुणे और अन्य मेट्रो सिटीज में बहुचर्चित 'अपना (**apna**)' ऐप ने महिलाओं के बीच अच्छी पकड़ बनाई है. बीते साल करीब लाखों महिलाओं ने इसका इस्तेमाल कर नौकरी पाई. सबसे खास बात यह है कि इस प्लेटफॉर्म पर महिलाओं को नौकरी के लिए बहुत ज्यादा फॉर्मल तरीका नहीं अपनाना पड़ता, जिससे उनकी झिझक कम हो जाती है.
इन ऐप्स पर सिर्फ अपनी जानकारी डालने के बाद उनके पास जरूरत के हिसाब से नौकरी पाने के ऑफर आते रहते हैं. 12वीं पास महिलाओं ने सबसे ज्यादा टेलीकॉलर, बीपीओ, बैक ऑफिस, रिसेप्शनिस्ट, फ्रंट ऑफिस, टीचर, अकाउंटेंट, एडमिन ऑफिस असिस्टेंट और डाटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी के लिए आवेदन किया है.

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का मजबूत प्लेटफॉर्म

इसी तरह खास महिलाओं के लिए चलाई जा रही सोशल नेटवर्किंग साइट 'शीरोज (**Sheroes**)' भी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में एक मजबूत प्लेटफॉर्म के रूप में सामने आई है. यहां हर उम्र वर्ग की महिलाएं, ऐप या वेबसाइट के माध्यम से जुड़ती हैं. वह नौकरी के अवसर भी तलाशती है, साथ ही अगर वह अपने लेवल पर किसी तरह का बिजनेस कर रही हैं, तो उसे प्रमोट भी करती हैं. बिजनेस वुमेन इसके सहारे अपना नेटवर्क मजबूत कर रही हैं. इस तरह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मोबाइल और इंटरनेट टेक्नोलॉजी सबसे ज्यादा फायदेमंद साबित हुई.

जो महिलाएं मां नहीं बन पातीं, उनमें हार्ट फेल होने का खतरा ज्यादा: नई रिसर्च

महिला को अगर गर्भवती होने के दौरान दिक्कतें आएं या मेनोपॉज़ के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़े तो बाद के सालों में उसे दिल की बीमारी होने का रिस्क बढ़ जाता है.

महिलाओं के प्रजनन इतिहास का उन्हें होने वाली दिल की बीमारी से संबंध होता है. (सांकेतिक तस्वीर) महिलाओं के प्रजनन इतिहास का उन्हें होने वाली दिल की बीमारी से संबंध होता है.

ब्रिटेन में हुई रिसर्च से पता चला है कि जिन औरतों में बांझपन (infertility) की समस्या होती है, उनका हार्ट फेल होने की आशंका 16 फीसदी तक ज्यादा होती है. महिला को गर्भवती होने के दौरान दिक्कतें आएं या मेनोपॉज़ में परेशानी हो तो बाद के सालों में दिल की बीमारी का रिस्क बढ़ जाता है.
प्रेग्नेंसी के दौरान विटामिन A की कमी हो सकती है खतरनाक, जानें यह क्यों जरूरी
प्रेग्नेंसी के दौरान विटामिन A की कमी हो सकती है खतरनाक, जानें यह क्यों जरूरी
लंदनः एक नए शोध से पता चला है कि महिलाओं में बच्चे पैदा न कर पाने (infertility) की समस्या का संबंध दिल की बीमारी से भी होता है. ब्रिटेन में हुई रिसर्च के बाद दावा किया गया है कि जिन औरतों में बांझपन यानी इनफर्टिलिटी (infertility) की समस्या होती है, उनका हार्ट फेल होने की आशंका बाकी महिलाओं से 16 फीसदी तक ज्यादा होती है.
अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी जर्नल में छपे इस शोध में कहा गया है कि महिलाओं के प्रजनन इतिहास से काफी हद तक पता चल जाता है कि उन्हें भविष्य में दिल की बीमारी होने का कितना खतरा है. महिला को अगर गर्भवती होने के दौरान दिक्कतें आएं या मेनोपॉज़ के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़े तो बाद के सालों में उसे दिल की बीमारी होने का रिस्क बढ़ जाता है. इस शोध के दौरान दो तरह के हृदयाघात यानी हार्ट फेल होने की स्टडी की गई. पहला preserved ejection fraction के साथ हार्ट अटैक (HFpEF) जिसमें दिल की मांसपेशियां खून पंप करने के बाद पूरी तरह फैल नहीं पातीं. दूसरा हार्ट फेल्योर विद reduced ejection fraction (HFrEF). इसमें बाएं वेंट्रीकल यानी दिल के निचले भाग के कोष से हर धड़कन के बाद जितना खून शरीर में जाना चाहिए, वो नहीं जा पाता. महिलाओं में हार्ट फेल के ज्यादातर मामले HFpEF के ही होते हैं. शोध करने वाली टीम की लीडर और मैसाचूसेट्स जनरल हॉस्पिटल में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एमिली लाउ ने बताया कि रिसर्च के दौरान ये पता लगाने की कोशिश की गई कि महिलाओं में थायरायड या जल्दी मेनॉपॉज़ जैसी समस्याओं का भी क्या प्रजनन क्षमता और दिल की बीमारी से कोई लेना-देना होता है या नहीं. लेकिन इस धारणा को लेकर किसी तरह के पुख्ता सबूत अभी नहीं मिल पाए हैं.
शोधकर्ताओं का कहना है कि अभी तक ये तो पता था कि जिन महिलाओं में बच्चे पैदा न कर पाने की समस्या होती है, उनमें हाइपरटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर की बीमारी होने के चांस ज्यादा होते हैं.
लेकिन बांझपन का दिल की बीमारी पर असर को लेकर कोई पुख्ता स्टडी नहीं हुई थी. आमतौर पर दिल की बीमारी को 50 साल के बाद की समस्या माना जाता है, जबकि बांझपन उम्र के 20वें, 30वें या 40वें पड़ाव पर आने वाली दिक्कत है. इसलिए इन दोनों के संबंध पर गौर नहीं किया जाता. अब महिलाओं में बच्चे पैदा न कर पाने की क्षमता का कुछ नहीं किया जा सकता लेकिन भविष्य का ध्यान तो रखा ही जा सकता है ताकि उन्हें दिल की बीमारियों से बचाया जा सके.

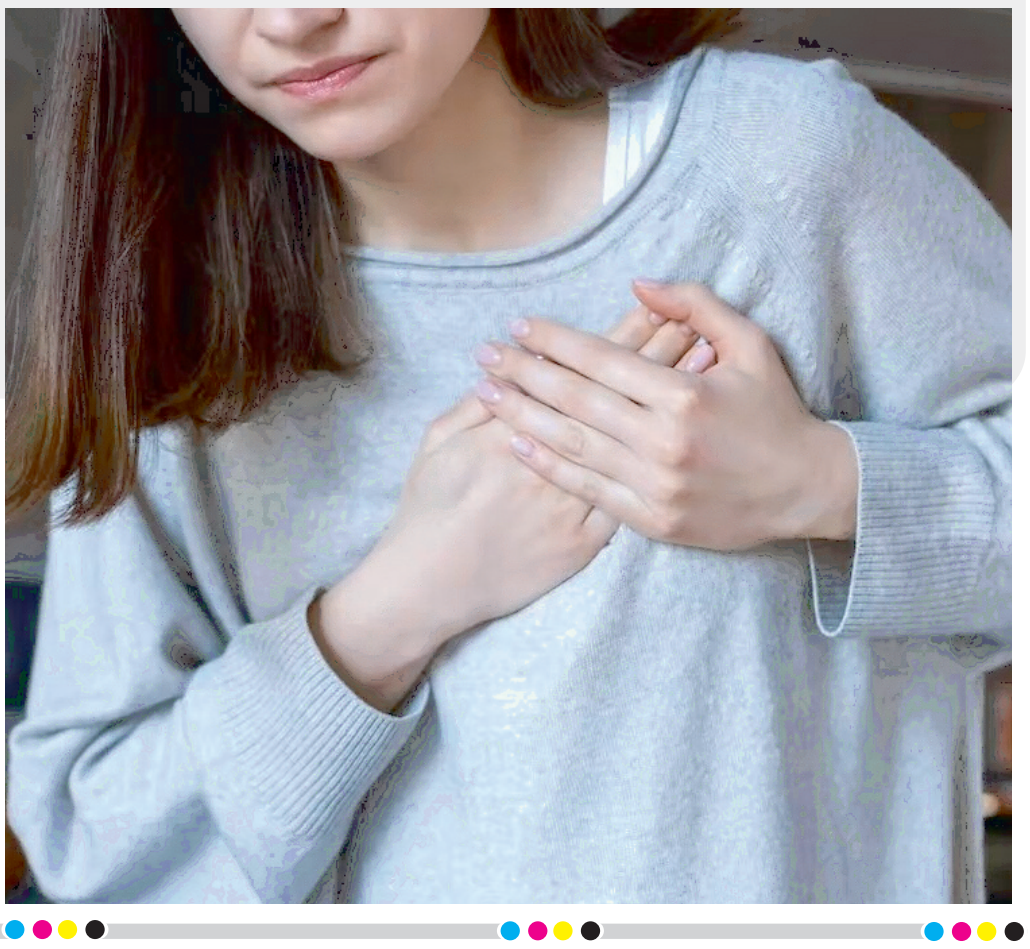

मनीष सिसोदिया ने जेल से लिखी चिट्ठी, कहा- 'पीएम मोदी विज्ञान की बातें नहीं समझते...'

दिल्ली शराब घोटाले के आरोप में जेल में बंद आप नेता मनीष सिसोदिया ने देश के नाम चिट्ठी लिखी है। आप नेता ने चिट्ठी में कहा कि पीएम का कम पढ़ा लिखा होना देश के लिए खतरनाक है। भारत की तरक्की के लिए पढ़ा लिखा पीएम होना जरूरी है।

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा पीएम पर डिग्री को लेकर लगातार हमले के बाद अब इस मामले में आप नेता मनीष सिसोदिया की एंट्री हो गई है। जानकारी के अनुसार, सिसोदिया ने जेल से देश के नाम चिट्ठी लिखकर पीएम के पढ़े-लिखे होने पर सवाल उठाया है। सिसोदिया ने अपनी चिट्ठी में कहा है कि प्रधानमंत्री का कम पढ़ा-लिखा होना देश के लिए बेहद खतरनाक है। पीएम विज्ञान की बातें नहीं समझते और न ही शिक्षा के महत्व को समझते हैं। पिछले कुछ सालों में 60 हजार स्कूल बंद किए गए हैं, भारत की तरक्की के लिए पीएम का पढ़ा-लिखा होना जरूरी है।

जरूरी है पीएम का पढ़ा होना: सिसोदिया

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने अपनी चिट्ठी में पीएम पर तंज करते हुए लिखा, आज हम 21वीं सदी में जी रहे हैं। दुनिया भर में विज्ञान और टेक्नोलॉजी में हर रोज नई तरक्की हो रही है। सारी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की बात कर रही है। ऐसे में जब मैं पीएम को यह कहते हुए सुनता हूं कि गंदे नाले में पाइप डालकर उसकी गंदी गैस से चाय या खाना बनाया जा सकता है, तो मेरा दिल बैठ जाता है। क्या नाली की गंदी गैस से चाय या खाना बनाया जा सकता है? नहीं। जब पीएम कहते हैं कि बादलों के पीछे उड़ते जहाज को रडार नहीं पकड़ सकता तो पूरी दुनिया के लोगों में वो हास्य के पात्र बनते हैं। स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ने वाले बच्चे उनका मजाक बनाते हैं। उनके इस तरह के बयान देश के लिए बेहद खतारनाक हैं। इसके कई नुकसान हैं, जैसे पूरी दुनिया को पता चल जाता है कि भारत के प्रधानमंत्री कितने कम पढ़े-लिखे हैं और उन्हें विज्ञान की बुनियादी जानकारी तक नहीं है। दूसरे देशों के राष्ट्र अध्यक्ष जब पीएम गले मिलते हैं तो एक-एक झप्पी की भारी कीमत लेकर चले जाते हैं। बदले में न जाने कितने कागजों पर साइन करवा लेते हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री तो समझ नहीं पाते। क्योंकि वह कम पढ़े-लिखे हैं।

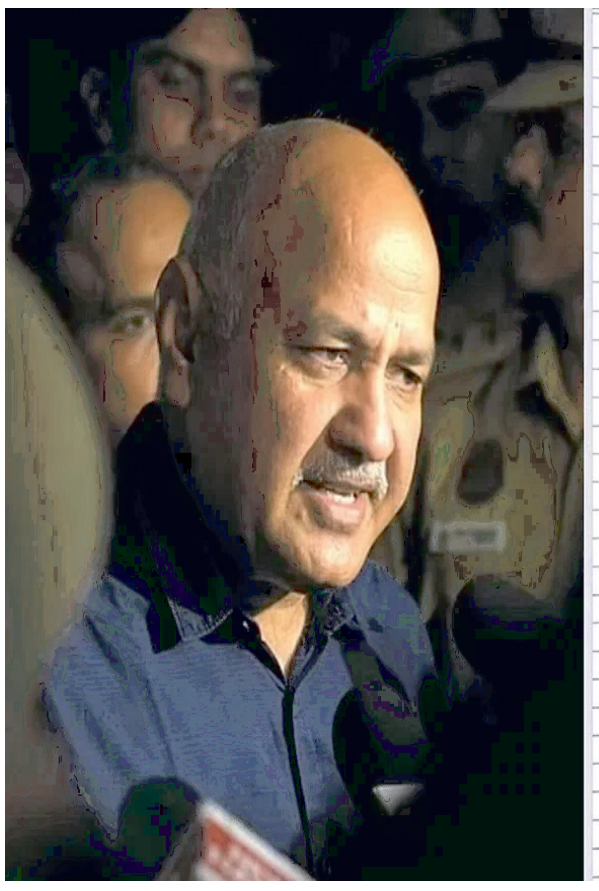

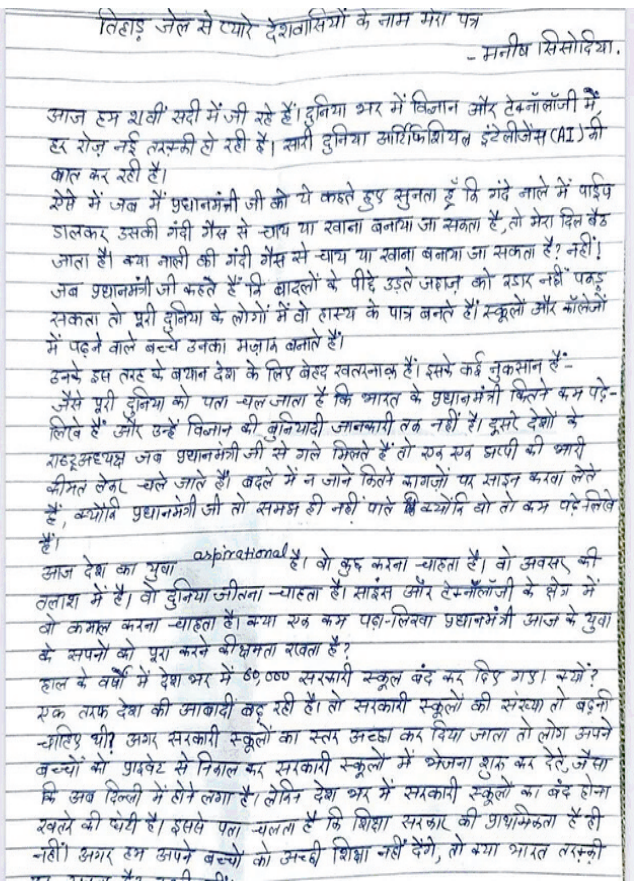

तिहाड़ जेल से प्यारे देशवासियों के नाम मेरा पत्र
- मनीष सिसोदिया.

आज हम 21वीं सदी में जी रहे हैं। दुनिया भर में विज्ञान और टेक्नॉलॉजी में हर रोज़ नई तरक्की हो रही है। सारी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (AI) की बात कर रही है।
ऐसे में जब मैं प्रधानमंत्री जी को ये कहते हुए सुनता हूँ कि गंदे नाले में पाईप डालकर उसकी गंदी गैस से चाय या खाना बनाया जा सकता है, तो मेरा दिल बैठ जाता है। क्या नाली की गंदी गैस से चाय या खाना बनाया जा सकता है? नहीं!
जब प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि बादलों के पीछे उड़ते जहाज़ को रडार नहीं पकड़ सकता तो पूरी दुनिया के लोगों में वो हास्य के पात्र बनते हैं। स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ने वाले बच्चे उनका मज़ाक बनाते हैं।
ठीक इस तरह के बयान देश के लिए बेहद खतरनाक हैं। इसके कई नुकसान हैं- जैसे पूरी दुनिया को पता चल जाता है कि भारत के प्रधानमंत्री कितने कम पढ़े-लिखे हैं और उन्हें विज्ञान की बुनियादी जानकारी तक नहीं है। दूसरे देशों के राष्ट्रअध्यक्ष जब प्रधानमंत्री जी से गले मिलते हैं तो एक एक झप्पी की भारी कीमत लेकर चले जाते हैं। बदले में न जाने कितने काग़ज़ों पर साइन करवा लेते हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री जी तो समझ ही नहीं पाते कि क्योंकि वो तो कम पढ़े-लिखे हैं।
आज देश का युवा aspirational है। वो कुछ करना चाहता है। वो अवसर की तलाश में है। वो दुनिया जीतना चाहता है। साइंस और टेक्नॉलॉजी के क्षेत्र में वो कमाल करना चाहता है। क्या एक कम पढ़ा-लिखा प्रधानमंत्री आज के युवा के सपनों को पूरा करने की क्षमता रखता है?
हाल के वर्षों में देश भर में 89,000 सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए। क्यों? एक तरफ देश की आबादी बढ़ रही है तो सरकारी स्कूलों की संख्या तो बढ़नी चाहिए थी? अगर सरकारी स्कूलों का स्तर अच्छा कर दिया जाता तो लोग अपने बच्चों को प्राइवेट से निकाल कर सरकारी स्कूलों में भेजना शुरू कर देते, जैसा कि अब दिल्ली में होने लगा है। लेकिन देश भर में सरकारी स्कूलों का बंद होना रुकने की घंटी है। इससे पता चलता है कि शिक्षा सरकार की प्राथमिकता है ही नहीं। अगर हम अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं देंगे, तो क्या भारत तरक्की

दिल्ली पुलिस ने फर्जी जॉब प्लेसमेंट एजेंसी का किया भंडाफोड़, 100 से अधिक लोगों को ठगने वाले 3 गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने सरिता विहार में फर्जी जॉब प्लेसमेंट एजेंसी चलाने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 100 से अधिक लोगों को ठग चुके इस गिरोह तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों को पास के नकली जॉब ऑफर लेटर बरामद किए है।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को एक फर्जी जॉब प्लेसमेंट एजेंसी का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने जॉब दिलाने वाले गिरोह के तीन लोगों को गिरफ्तार किया है जो 100 से ज्यादा लोगों को ठग चुके हैं। पुलिस ने फर्जी जॉब प्लेसमेंट एजेंसी का भंडाफोड़ करते हुए बताया कि दिल्ली के सरिता विहार में एक फर्जी जॉब प्लेसमेंट एजेंसी चलाकर ठगी करने वाले तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जो 100 से अधिक लोगों को अपना शिकार बना चुके हैं।

पासपोर्ट और नकली जॉब ऑफर लेटर बरामद

पुलिस ने आरोपितों के पास से पीड़ितों के 68 पासपोर्ट, नकली जॉब ऑफर लेटर, तुर्की और इथोपिया के हवाई टिकट भी बरामद किए हैं।

इनसाइड

दिल्ली के ज्वेलर के पैसे चोरी कर फरार हुआ युवक गुमला में धराया, 6.54 करोड़ रुपये कैश बरामद

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने चोरी के पैसों को पांच बैग में भरकर बस के लगेज कंपार्टमेंट में रखा था। बस ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के दाल्टोंगंज से राउरकेला जा रही थी। आरोपी भी राउरकेला का रहने वाला है।

नई दिल्ली। झारखंड के गुमला जिले में पुलिस ने 22 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया है, जो दिल्ली के एक ज्वेलर के पैसे चोरी कर फरार हो गया था। पुलिस ने युवक के पास से चोरी किए गए 6.54 करोड़ रुपये बरामद कर लिए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने एक बस को रोका और आरोपी युवक को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने चोरी के पैसों को पांच बैग में भरकर बस के लगेज कंपार्टमेंट में रखा था। बस झारखंड के मेदिनीनगर से ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के राउरकेला जा रही थी। आरोपी भी राउरकेला का रहने वाला है। दिल्ली के ज्वेलर के करोड़ों रुपये चोरी करने के बाद वह अपने साथियों के साथ फरार हो गया था। पुलिस ने बताया कि युवक के दो साथी मौके से फरार हो गए, जिसमें एक दिल्ली के कारोबारी का कर्मचारी है। गुमला के एसपी एहतेशाम वकारिब ने बताया कि कैश काउंटिंग मशीन की मदद से गुरुवार को बैंक अधिकारियों ने नकदी की गिनती की और पाया कि उन बैगों में 6,53,97,730 रुपये थे। एसपी ने बताया कि पुलिस ने जब गिरफ्तार आरोपी फरीद से सख्ती से पूछताछ की, तो उसने दिल्ली के करोलबाग से लगभग 6-7 करोड़ नकदी और अन्य वस्तुओं को चुराने की बात कबूल कर ली।

स्वाती मालीवाल ने किया टॉयलेट का औचक निरीक्षण, मिला 50 लीटर एसिड

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल गुरुवार रात दरियागंज इलाके के एक टॉयलेट का औचक निरीक्षण किया और वहां उन्हें 50 लीटर तेजाब मिला है। इसके बाद उन्होंने शौचालय कर्मियों को फटकार लगाते हुए तेजाब को जब्त कराया।

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाती मालीवाल महिलाओं के मुद्दों को लेकर काफी मुखर रहती हैं। उन्होंने राजधानी के दरियागंज इलाके के एक टॉयलेट का औचक निरीक्षण किया और वहां उन्हें 50 लीटर तेजाब मिला है। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद अपने ट्विटर हैंडल पर दी है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में खुले में पड़ा हुआ इतना सारा तेजाब ना जाने कितनी जिंदगियों को बर्बाद कर सकता है।

मालीवाल ने गुरुवार को अपनी टीम के साथ एक टॉयलेट का निरीक्षण किया तो वहां पर गंदगी का अंबार देखने को मिला। वहां पर ही उन्हें 50 लीटर तेजाब मिला जो कि खुले में रखा हुआ था। उन्होंने पुलिस को बुलाकर तेजाब को जब्त कराया और कहा कि वे एमसीडी से इस मामले पर रिप्लाई लेंगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी। पूरे देश में एसिड अटैक की घटनाएं देखने को मिलती है। इसलिए इसका खुले में मिलना काफी चिंता का विषय है।

आपको बता दें कि इससे पहले दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष ने संजय कॉलोनी झुग्गी के MCD शौचालय का औचक निरीक्षण किया, जहां गंदगी को देखकर उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए तुरंत सफाई करने के निर्देश दिया। वहीं 5 अप्रैल को दिल्ली के खिचड़ीपुर में टॉयलेट का निरीक्षण किया था।

भाजपा ने पत्र सामने आने के बाद सिसोदिया पर किया पलटवार, पूछा- 'डिप्लोमा क्या कोई डिग्री है...'

जेल से मनीष सिसोदिया का पत्र सामने आने के बाद दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता ने आप नेता पर पलटवार करते हुए हमला किया है। साथ ही उन्होंने सिसोदिया का शिक्षा पर भी सवाल उठाए हैं और पूछा है कि पत्रकारिता में डिप्लोमा- क्या यह कोई डिग्री है?

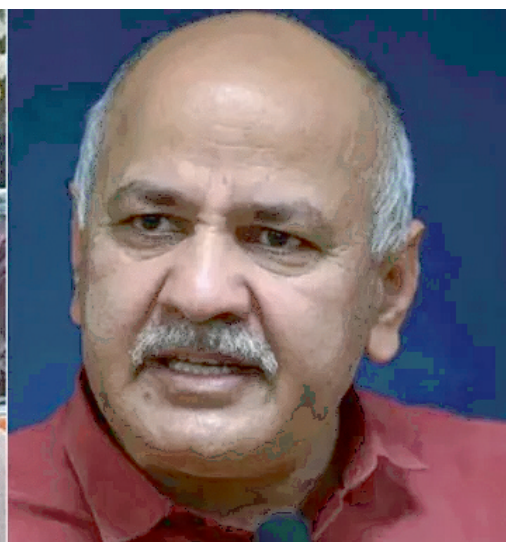

नई दिल्ली। जेल से मनीष सिसोदिया का पत्र सामने आने के बाद भाजपा ने आप नेता पर हमला बोला है और उनकी डिग्री पर भी सवाल उठाया है।

दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शेखर कपूर ने मनीष सिसोदिया पर हमला करते हुए ट्विटर पर लिखा, पत्रकारिता में डिप्लोमा - क्या यह कोई डिग्री है? एक डिप्लोमाधारी शिक्षा मंत्री बन बैठा था- उसका नतीजा ये हुआ कि 8 साल में दिल्ली का शिक्षा स्तर गिरा। आज दिल्ली के सरकारी स्कूलों में 9वीं एवं 11वीं के इम्तिहान में 40% से 50% छात्र फेल होते हैं। साथ ही 10वीं-12वीं के नतीजे भी बेहाल।

सिसोदिया ने पीएम की शिक्षा पर उठाए सवाल

बता दें कि मनीष सिसोदिया ने जेल से देश के नाम चिट्ठी लिखकर। पीएम की पढ़ाई लिखाई पर सवाल उठाया है। सिसोदिया ने अपनी चिट्ठी में कहा है कि प्रधानमंत्री का कम पढ़ा लिखा होना देश के लिए बेहद खतरनाक है। पीएम विज्ञान की बातें नहीं समझते और न ही शिक्षा के महत्व को समझते हैं। पिछले कुछ सालों में 60 हजार स्कूल बंद किए गए हैं, लेकिन भारत की तरक्की के लिए पीएम का पढ़ा लिखा होना जरूरी है।

केजरीवाल ने दिल्ली शिक्षा मॉडल को लेकर थपथपाई पीठ, कहा- 'इस क्रांति में सभी टीचर्स-पेरेंट्स का योगदान है'

दिल्ली के सीएम केजरीवाल अक्सर मंच पर अपने शिक्षा मॉडल को लेकर जनता के बीच सरकारी की प्रशंसा करते रहते हैं। अब उन्होंने एक छात्रा के ट्वीट को रीट्वीट कर दिल्ली के शिक्षा मॉडल की जमकर करते हुए कहा मुझे बहुत खुशी है...

नई दिल्ली। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने शिक्षा मॉडल को लेकर अक्सर अपनी पीठ थपथपाती रहती है। अब एक बार फिर सीएम केजरीवाल ने अपनी सरकार की शिक्षा नीति की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा- दिल्ली शिक्षा क्रांति में सभी टीचर्स और पेरेंट्स का बहुत अहम योगदान है।

दरअसल, सीएम केजरीवाल ने दिल्ली के एक स्कूल में पढ़ने वाली छात्रा के ट्वीट को रीट्वीट करते हुए लिखा, मुझे बहुत खुशी है आपको अपने स्कूल में दी जा रही शिक्षा में बहुत बदलाव महसूस हो रहा है और आप उससे खुश हैं। दिल्ली शिक्षा क्रांति में सभी टीचर्स और पेरेंट्स का बहुत अहम योगदान है। भगवान से प्रार्थना करता हूं, आपके सभी सपने पूरे करें और आप आगे चलकर देश की खूब सेवा करें।

बता दें कि ट्विटर पर दिल्ली के एक स्कूल में पढ़ी छात्रा ने दो तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, मैंने दिल्ली में अपनी शिक्षा की आधी अवधि अन्य सरकार के कार्यकाल में गुजारी है और आधी अवधि आम आदमी पार्टी दिल्ली सरकार के कार्यकाल में...यकीनन जो शानदार बदलाव आप सरकार द्वारा न केवल स्कूल के दृश्य में बल्कि शिक्षा में भी आया है, उसको मैंने खुद अनुभव किया है।

उन्होंने सब-रजिस्ट्रार ऑफिस को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने पर जोर दिया।

किसी भी सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में लोग जल्द करा सकेंगे रजिस्ट्री, 'एक जिला' घोषित होगी दिल्ली

इसके लिए पूरी दिल्ली को 'एक जिला' के रूप में घोषित किया जाएगा। इस कदम से भ्रष्टाचार और उत्पीड़न पर अंकुश लगेगा और विभिन्न सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में चक्कर लगाने वाले हजारों लोगों को राहत मिलेगी।

नई दिल्ली। राजधानी में जल्द ही संपत्तियों की रजिस्ट्री किसी भी सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में कराई जा सकेगी। इसके लिए पूरी दिल्ली को 'एक जिला' के रूप में घोषित किया जाएगा। इस कदम से भ्रष्टाचार और उत्पीड़न पर अंकुश लगेगा और विभिन्न सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में चक्कर लगाने वाले हजारों लोगों को राहत मिलेगी।

वर्ष 2015 में आंध्रप्रदेश में इस तरह की व्यवस्था लागू की गई थी। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सरकारी दफ्तरों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए बृहस्पतिवार को सतर्कता विभाग के साथ समीक्षा बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए।

इसके अलावा भ्रष्टाचार के मामलों में शिकायत के लिए दिल्ली में भारत की पहली ऑनलाइन शिकायत सूचना प्रबंधन प्रणाली लागू की जाएगी। इससे लोग बिना किसी परेशानी के सीधे ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकेंगे। सब-रजिस्ट्रार कार्यालय पूरी तरह सीसीटीवी की निगरानी में होगा। उपराज्यपाल ने एजेंसियों को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक ठोस तंत्र बनाने व निपटने में दिल्ली पुलिस और भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) सहित विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करने के निर्देश की भी समीक्षा की। सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार को कम करने, दफ्तरों में दलालों की घुसपैठ रोकने और पारदर्शिता लाने के लिए कई दिशानिर्देश जारी किए गए।

दलालों पर लगाम लगाने के लिए दबिश

उपराज्यपाल ने सब-रजिस्ट्रार ऑफिस, ट्रांसपोर्ट ऑफिस, ट्रेड, टैक्स और एक्साइज ऑफिस सहित इस तरह के जनता से जुड़े दफ्तरों में दलालों पर लगाम लगाने व पारदर्शिता लाने के लिए अधिकारियों को नियमित तौर पर औचक निरीक्षण और दबिश के भी निर्देश दिए। उन्होंने सब-रजिस्ट्रार ऑफिस को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने पर जोर दिया। इसके लिए उन्होंने सभी उप निबंधक कार्यालयों के पूरे क्षेत्र को सीसीटीवी की निगरानी में लाने के निर्देश दिए, जिसकी फीड सीधे सेंट्रल कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को भेजी जाएगी।

देश में पहली बार ऑनलाइन शिकायत सूचना प्रणाली

बैठक में उपराज्यपाल को बताया गया कि देश में पहली बार एक ऑनलाइन शिकायत सूचना प्रबंधन प्रणाली (ओसीआईएमसी) विकसित की गई है। इस माध्यम से भ्रष्टाचार की शिकायतें ऑनलाइन होंगी। शिकायतों के साथ फोटोग्राफ, वीडियो, ऑडियो साक्ष्य ऑनलाइन अपलोड करने का प्रावधान होगा। उपराज्यपाल ने स्पष्ट किया कि भ्रष्ट व दोषियों को किसी भी हाल में नहीं बख्शा जाए।

ईमानदारों को परेशानी भी नहीं होनी चाहिए। शिकायतकर्ता को पंजीकरण के साथ साक्ष्य अपलोड करना होगा। एक ई-शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा कि जानकारी तथ्यात्मक रूप से सही है। भूमि के स्टेटस को लेकर राजस्व विभाग द्वारा जारी किए जाने वाले एनओसी को भी पूरी तरह ऑनलाइन किया जाएगा, जिसमें किसी भी मानवीय हस्तक्षेप की जरूरत नहीं होगी। यह पूरी तरह फेसलेस होगा।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक

रात में सिर्फ इस टाइम पर ही होगी चलने की इजाजत

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर यातायात के बढ़ते दबाव के कारण पूरे दिन मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध की तैयारी शुरु कर दी है। शुक्रवार को परीक्षण (ट्रायल) के तौर पर मालवाहक वाहनों को नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर सुबह सात 7 से रात 10 बजे तक प्रतिबंध रखा जाएगा।

नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर यातायात के बढ़ते दबाव के कारण पूरे दिन मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध की तैयारी शुरु कर दी है। शुक्रवार को परीक्षण (ट्रायल) के तौर पर मालवाहक वाहनों को नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर सुबह सात 7 से रात 10 बजे तक प्रतिबंध रखा जाएगा। सिर्फ आवश्यक सेवाओं जैसे फल, सब्जी, दूध, दवा, ईंधन से जुड़े आदि वाहनों को जाने की इजाजत रहेगी।

डीसीपी यातायात अनिल कुमार यादव ने बताया कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर यातायात का दबाव बढ़ गया है। मार्ग पर तीन जगह अंडरपास और सड़क पर री-सर्फेसिंग का काम चल रहा है। इसलिए दिल्ली की तर्ज पर एक्सप्रेस-वे पर रास्तों पर इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर सुबह सात से रात 10 बजे तक मालवाहक वाहन चलने नहीं दिए जाएंगे। अभी सुबह 11 से शाम पांच बजे तक चलते रहते हैं। अल्फा कार्मशियल, परी चौक रूट पर माल वाहक वाहनों पर प्रतिबंध रहेगा। ग्रेटर नोएडा के रास्ते नोएडा होकर कालिंदी कुंज, चिल्ला बार्डर, डीएनडी बार्डर से होकर दिल्ली जाने वाले चालकों को ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाना होगा। भारी वाहनों को ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर चढ़ने से रोका जाएगा। नो एंट्री के कारण कासना से होकर सूरजपुर तक जाने वाले वाले माल वाहक वाहन चालकों को होंडा चौक होते हुए एलजी चौक होकर अपने गंतव्य की ओर जाना होगा। इससे परिचौक, पी-3 चौक, अल्फा कामर्शियल पर यातायात का दबाव कम रहेगा। सिरसा से मकौड़ा और तिलपता तक जाने वाले मार्ग को खुला रखा जाएगा। इसके लिए संबंधित प्राधिकरण की मदद ली जाएगी। शुक्रवार को ट्रायल के तौर पर माल वाहक वाहनों को नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर सुबह सात बजे से रात दस बजे तक प्रतिबंध रहेगा।

आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को जाने रहेगी अनुमति

आवश्यक सेवा फल, सब्जी, दूध, दवा, ईंधन से जुड़े आदि वाहनों को जाने की इजाजत रहेगी। माल वाहक वाहनों को मार्ग पर प्रवेश करने से पहले ही रोका जाएगा। इसके लिए मार्ग पर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने पर वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जल्द ही इस संबंध में ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की जाएगी। 15 दिन बाद से पूर्णता प्रतिबंधः एक्सप्रेस-वे सहित अन्य रास्तों पर नए सिरे से नो एंट्री की व्यवस्था जल्द ही लागू की जाएगी। नई व्यवस्था से जुड़े लोगों के साथ बैठक कर योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा। ट्रांसपोर्टरों नोएडा-ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक होगी। योजना पूर्ण लागू करने से पहले संबंधित लोगों को व्यवस्था बनाने के लिए 15 दिन का समय दिया जाएगा।

ई-रिक्शा को प्रतिबंधित करने वाले रूट हुए तैयार

सेक्टर-1 गोलचक्कर से अट्टा मार्केट, सेक्टर-37 तक, एमपी-1 मार्ग पर सेक्टर-3 रजनीगंधा से सेक्टर-12-22-56 तिराहा, एलिवेटेड रोड पर सेक्टर-18 से 60, एमपी-2 मार्ग पर सेक्टर-18 अंडरपास से निठारी चौक, सेक्टर-14ए से महामाया फ्लाईओवर, नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे, सेक्टर-60 अंडरपास से सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन, सेक्टर-75-76 यूटर्न, सेक्टर-62 माडल टाउन गोलचक्कर से सेक्टर-60 अंडरपास, छिजारसी एसजेएम अस्पताल तिराहे से माडल टाउन गोलचक्कर, एसजेएम अस्पताल छिजारसी से पर्थला गोलचक्कर, यथार्थ कट सेक्टर-110 से महर्षि आश्रम चौक, लोटस ब्लू वर्ड तिराहा, सेक्टर-100 मार्ग के दोनों ओर ई-रिक्शा को प्रतिबंधित करने की योजना तैयार की है। जल्द इन रूटों पर ई-रिक्शा को प्रतिबंधित किया जाएगा।

शोभा यात्रा के कारण बदला रहेगा यातायात

सेक्टर-45 स्थित सदरपुर से सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम तक शनिवार को शोभा यात्रा निकाली जाएगी। शोभा यात्रा सेक्टर-37, सेक्टर-18, सेक्टर-9 बांस बल्ली मार्केट होते हुए नोएडा स्टेडियम तक पहुंचेगी। इस दौरान सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक मार्ग पर ट्रैफिक ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा।

जो दूसरों के गुनाहों की खंगालते हैं कुंडली, अब खुद की बेगुनाही का देना होगा सबूत

पुलिस के दावे को चुनौती देते हुए बचाव पक्ष ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने अरबाज व राहुल नाम के व्यक्ति को बुधवार शाम उठाया था जबकि दोनों की गिरफ्तारी पुलिस की जीडी में बृहस्पतिवार सुबह अच्छेजा गांव के सामने से दिखाई गई है।

ग्रेटर नोएडा। जो दूसरों के गुनाहों की कुंडली खंगालते हैं, उनको खुद की बेगुनाही साबित करने के लिए गौतमबुद्धनगर जिला न्यायालय में बादलपुर कोतवाली परिसर के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देनी होगी। मामला किन्नर के अपहरण व मारपीट से जुड़ा हुआ है। ऐसे में पुलिस फूंक-फूंक कर कदम तो रख रही है, लेकिन अपनी बेगुनाही साबित करना अब बड़ी चुनौती बन गया है।

पुलिस के दावे को चुनौती देते हुए बचाव पक्ष ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने अरबाज व राहुल नाम के व्यक्ति को बुधवार शाम उठाया था, जबकि दोनों की गिरफ्तारी पुलिस की जीडी में बृहस्पतिवार सुबह अच्छेजा गांव के सामने से दिखाई गई है। पुलिस ने यह भी दावा किया है कि अरबाज के कब्जे से तमंचा मिला है। वहीं बचाव पक्ष के मुताबिक अपहरण व मारपीट के मामले में सरेंडर होने पर मिली जमानत के बाद ही बुधवार को पुलिस ने दोनों को उठा लिया था। बचाव पक्ष के अधिवक्ता प्रभात चौधरी ने बताया कि 22 फरवरी 2023 को मोना किन्नर ने हिना किन्नर, निशा, राहुल व अरबाज पर अपहरण व मारपीट का आरोप लगाते हुए बादलपुर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। राहुल व अरबाज ने बुधवार सुबह साढ़े दस बजे कोर्ट ने सरेंडर अर्जी दाखिल करते हुए जमानत अर्जी लगाई। कोर्ट ने दोनों को जमानत दे दी। खेल इसके बाद शुरू हुआ। जैसे ही दोनों को जमानत मिली। बादलपुर कोतवाली पुलिस ने दोनों को तमंचा व चाकू रखने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट ने कोतवाली की सीसीटीवी फुटेज मंगाकर यह पता करने की कोशिश की है कि आखिर अरबाज व राहुल को कितने बजे गिरफ्तार करके कोतवाली लाया गया।

दोनों फुटेज में एक ही कपड़े

पुलिस ने जब दोनों को गिरफ्तार किया तब व जब दोनों कोर्ट से निकले। दोनों समय एक ही कपड़े पहने हुए थे। ऐसे में सवाल यह है कि यदि गिरफ्तारी पुलिस के मुताबिक बृहस्पतिवार सुबह हुई तो क्या बुधवार से लेकर बृहस्पतिवार तक दोनों युवकों ने कपड़े नहीं बदले या फिर वह हिरासत में थे, इस वजह से कपड़े नहीं बदल पाए।

कोतवाली की फुटेज मंगाने का पहला मामला

पिछले कुछ सालों में गौतमबुद्धनगर में यह पहला मामला प्रकाश में आया है कि जब पुलिस को अपनी की बेगुनाही का सबूत देने के लिए कोतवाली के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज कोर्ट में पेश करनी होगी।

गलत तरीके से गिरफ्तारी की गई है। दोनों युवकों को जमानत मिलने के बाद पुलिस ने जबरन तमंचा लगाया है। हम कोर्ट में अपना पक्ष मजबूती से रख रहे हैं।

(वीरेंद्र नागर, अरबाज व राहुल पक्ष के अधिवक्ता)

पुलिस को किसी भी व्यक्ति को 24 घंटे तक हिरासत में रखकर पूछताछ करने का अधिकार है। कोतवाली में लगा सीसीटीवी कैमरा खराब है। इस संबंध में रिपोर्ट पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है। कोर्ट में पुलिस अपना पक्ष मजबूत तरीके से रखेगी।

(राम बदन सिंह, डीसीपी सेंट्रल नोएडा)

ऑन डिमांड टायर चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, 4 बदमाश गरिफ्तार

एडिशनल डीसीपी नोएडा शक्ति अवस्थी ने बताया कि गिरोह का मास्टरमाइंड राजू गुर्जर है। गिरोह दिल्ली गाजियाबाद फरीदाबाद गुरुग्राम नोएडा-ग्रेटर नोएडा की पाश सेक्टर कालोनियों में घर के बाहर खड़ी कारों के व्हील चोरी करने का अपराध करीब पिछले आठ साल से कर रहा है।

नोएडा। सेक्टर-20 कोतवाली पुलिस ने आन डिमांड टायर चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश कर बृहस्पतिवार को डीएलएफ मॉल के पास से चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान दिल्ली के राजू गुर्जर, ललित माथुर, मनीष सिंह बिष्ट, चंद्र भूषण उर्फ शंभू के रूप में हुई है। कब्जे से चोरी के एलाय व्हील के साथ 30 टायर, दो फर्जी नंबर प्लेट, चोरी करने के इस्तेमाल औजार, घटना में प्रयुक्त कार हुंडई एसेंट बरामद की है।

एडिशनल डीसीपी नोएडा शक्ति अवस्थी ने बताया कि गिरोह का मास्टरमाइंड राजू गुर्जर है। गिरोह दिल्ली, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम, नोएडा-ग्रेटर नोएडा की पाश सेक्टर, कालोनियों में घर के बाहर खड़ी कारों के व्हील चोरी करने का अपराध करीब पिछले आठ साल से कर रहा है। राजू के खिलाफ दिल्ली में 32 मुकदमे पंजीकृत हैं।

रात के समय रेकी करते थे बदमाश

बदमाश कार में सवार होकर रात के समय रेकी करते है। रेकी के दौरान देखते हैं कि कहां पर नए मॉडल की कार असुरक्षित स्थानों पर खड़ी है। कार की पहचान कर

तुरंत जैक लगाकर पांच मिनट में मिनट में कार का एलाय व्हील खोलकर कार को ईंट पर खड़ा कर फरार हो जाते थे। बदमाश ईंट कार में रखकर लाते थे।

टायर चोरी के दौरान सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए थे बदमाश

निठारी में कार के टायर चोरी करने के दौरान बदमाश कैमरे में कैद हुए थे। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो इनके सही ठिकानों का पता चल गया। गिरोह एनसीआर में अबतक 150 से अधिक घटनाओं को अंजाम दे चुका और चोरी के टायर बेचकर करीब दस लाख रुपये से अधिक की कमाई कर चुके हैं।

राजू गुर्जर पर दर्ज हैं 32 मुकदमे

आरोपितों के खिलाफ सेक्टर-20 कोतवाली में छह, सेक्टर-24 कोतवाली में सात, सेक्टर-58 कोतवाली में तीन, सेक्टर-39 कोतवाली में दो मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, आरोपित राजू गुर्जर पर अकेले 32, ललित माथुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज है।

कार पर लगाते थे फर्जी नंबर प्लेट

एसीपी नोएडा रजनीश वर्मा का कहना है कि गिरोह रेकी करने से पहले अपनी कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगाते थे, जिससे उन्हें कोई पकड़ नहीं सके। वहीं अपराध में प्रयुक्त की गई फर्जी नंबर प्लेट को दोबारा प्रयोग नहीं करते थे। हर बार अपराध के लिए नई फर्जी नंबर प्लेट लगाते थे। आरोपित चोरी किए गए कार व्हील को एक सुरक्षित स्थान पर एकत्रित करते रहते हैं।

5 से 10 हजार रुपये में बेचते थे एक टायर

फिर दिल्ली, गाजियाबाद व नोएडा में टैक्सी स्टैंड पर आने वाले टैक्सी चालकों, कार मार्केट में आने वाले ग्राहकों से संपर्क कर उन्हें एक व्हील 5 से 10 हजार रुपये में बेचते थे। गिरोह टैक्सी स्टैंड व कार मार्केट में घूमकर ग्राहकों से डिमांड की जानकारी भी करते थे। इसी डिमांड के अनुसार रेकी कर कारों के व्हील चोरी करते थे।

खेलने दौरान नाले में गिरा बच्चा, हुई मौत; निर्माण के दौरान नहीं लगे थे सेफ्टी के उपकरण

बेगमपुर गांव के बाहर नाले का निर्माण कार्य चल रहा है। बृहस्पतिवार शाम सात साल का बच्चा वहां खेल रहा था। खेलते-खेलते वह नाले में गिर गया। वहां मौजूद लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद बच्चे को बाहर निकाला। उसको अस्पताल ले जाया गया।

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र स्थित बेगमपुर गांव के बाहर नाले का निर्माण कार्य चल रहा है। बृहस्पतिवार शाम सात साल का बच्चा वहां खेल रहा था। खेलते-खेलते वह नाले में गिर गया। वहां मौजूद लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद बच्चे को बाहर निकाला। उसको अस्पताल ले जाया गया। डाक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। जहां निर्माण कार्य चल रहा है वहां सेफ्टी के उपकरण नहीं लगे है। निर्माण के दौरान नाले को चारों तरफ से रस्सी लगाकर कवर किया चाहिए, जो कि नहीं किया गया। यही कारण है कि बच्चा उसमें गिर गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बेगमपुर गांव में सात साल का बच्चा सद्दाम अपने परिवार के साथ रहता था। उसके पिता आटो चालक है। बृहस्पतिवार शाम सद्दाम अपने तीन दोस्तों के साथ बाहर क्रिकेट खेल रहा था। खेलते दौरान वह बाल उठाने के चक्कर में नाले की तरफ गया और उसमें गिर गया। नाले में पानी भरा हुआ था। नाला 12 फीट गहरा है। सद्दाम उसमें गिरा और डूब गया।

एकतरफा प्यार का खूनी अंत: घर में घुसकर युवती की हत्या के बाद युवक ने दी जान, शादी करना चाहता था वो, लेकिन...

गाजियाबाद से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने घर में घुसकर युवती की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। युवती के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गाजियाबाद। एकतरफा प्रेम में सिरफिरे युवक ने गाजियाबाद के घूकना में रहने वाली युवती दीपमाला के घर में घुसकर गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। वारदात के वक्त युवती घर में अकेली थी। गोली चलने की आवाज सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने आरोपी को दबोच लिया और पिटाई के बाद पुलिस को सौंप दिया।

पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस को मौके से एक तमंचा और एक पिस्टल मिले हैं। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद युवती का शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बृहस्पतिवार शाम परिजनों ने युवती का शव मेरठ रोड के नंदग्राम मोड़ पर रखकर यातायात जाम कर दिया।

उन्होंने पूर्व में पुलिस से की गई शिकायत पर कार्रवाई न करने का आरोप और हत्या में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी करने की मांग की। घूकना की गली नंबर सात में रहना वाला कर्ण सिंह ठेकेदारी करता है। उसकी पत्नी का निधन हो चुका है। परिवार में दो बेटे और बेटी दीपमाला (20) थे। बेटे अलग रहते हैं। दीपमाला बीकॉम प्राइवेट की छात्रा थी और 15 दिन पहले तक चौधरी मोड़ के पास एक शोरूम पर नौकरी करती थी।

घर पर अकेली थी दीपमाला

गुरुवार सुबह करीब आठ बजे कर्ण सिंह मंदिर गया था और बेटा अपने काम पर गया था। दीपमाला घर पर अकेली थी। बुलंदशहर के सलेमपुर का रहने वाला राहुल चौधरी घर में घुसा और दीपमाला को दो गोली मार दी। एक गोली उसकी गर्दन पर पिछले हिस्से पर लगी और दूसरी कमर पर लगी है।

आरोपी ने भीड़ पर तानी पिस्टल

दीपमाला की मौके पर ही मौत हो गई। माना जा रहा है कि दोनों में कहासुनी होने पर दीपमाला ने भागने की प्रयास किया। पुलिस का कहना है कि दीपमाला की हत्या के बाद आरोपी युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। वहीं, गोली चलने की आवाज सुनकर दीपमाला के घर में पहुंचे लोगों ने राहुल को पकड़ने का प्रयास किया तो उसने उन पर भी पिस्टल तानकर गोली मारने की धमकी दी।

भीड़ ने घेरकर आरोपी को पकड़ा

पुलिस का कहना है कि लोगों ने उसे घेर कर पकड़ लिया और घर के टॉयलेट में बंद कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और अस्पताल पहुंचाया। जहरीला पदार्थ खाने से उसकी हालत बिगड़ी तो एमएमजी अस्पताल से उसे दिल्ली जीटीबी अस्पताल में रेफर कर दिया गया। दोपहर में उसकी मौत हो गई।

युवती और आरोपी के मोबाइल की कॉल डिटेल से खुलेगा राज

एसीपी नंदग्राम रवि कुमार सिंह का

कहना है कि दीपमाला के पिता की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। उनका कहना है कि युवती और आरोपी के मोबाइल की कॉल डिटेल निकलवाकर हत्या की वजह जानने का प्रयास किया जा रहा है।

राहुल के साथ अन्य लोगों के होने का दावा

दीपमाला के पिता कर्ण सिंह का कहना है कि राहुल ने अकेले वारदात को अंजाम नहीं दिया है। उसके साथ उसके कुछ साथी भी थे। दीपमाला के अन्य परिजनों का भी कहना है कि मौके से दो हथियार मिलने से अन्य लोगों के साथ में होने का संदेह और गहरा गया है। उनका कहना है कि मौके से एक बाइक की चाभी भी मिली है। कर्ण सिंह ने तहरीर में भी राहुल के साथ अन्य युवकों के होने का जिक्र किया है। ऐसे में पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है। एसीपी नंदग्राम का कहना है कि परिजनों की ओर से तहरीर में दिए गए इस बिंदु पर जांच की जा रही है।

भीड़ ने आरोपी को पीटा, पुलिस से भी की हाथापाई

दिनदहाड़े युवती की हत्या से मोहल्ले के लोगों का गुस्सा भड़क गया। उन्होंने हत्थे चढ़े आरोपी राहुल की जमकर पिटाई की और हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस को भी लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा। भीड़ ने पुलिसकर्मियों से भी हाथापाई की। पुलिस किसी तरह राहुल को बचाकर निकली और अस्पताल में भर्ती कराया। भीड़ के आक्रोश को देखते हुए एमएमजी अस्पताल में भी बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था।

शाम को फिर भड़का गुस्सा, शव को सड़क पर रखकर लगाया जाम

पोस्टमार्टम के बाद मृतका दीपमाला के परिजन व कालोनी के लोगों ने बृहस्पतिवार शाम उसका शव मेरठ रोड पर रखकर जाम लगा दिया। जाम की सूचना पर पहुंचे एसीपी ने जाम खुलवाने का प्रयास किया लेकिन लोग जाम खोलने को तैयार नहीं हुए। उनका आरोप था कि आरोपी युवक के खिलाफ आठ माह पूर्व पुलिस को शिकायत दी गई थीं, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। यदि पुलिस समय रहते कार्रवाई करती तो उनकी बेटी जीवित होती।

डीसीपी निपुण अग्रवाल ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को मामले की जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया। करीब एक घंटे बाद आश्वासन मिलने पर लोगों ने जाम खोला। रोड पर एक ओर लगे जाम से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मेरठ रोड पर जाम खुलने के आधा घंटे बाद यातायात व्यवस्था सुचारू हो सकी।

लालकुआं पर भाई के साथ रहती थी दीपमाला, बुधवार को आई थी पिता के पास

दीपमाला के जीजा मोहित चौहान का कहना है कि दीपमाला अपने भाई व बहन के साथ लालकुआं के पास किराए के मकान में रहती थी। वह चार-पांच दिन में पिता से मिलने घूकना आती थी। उनका कहना है कि बुधवार रात को ही वह अपने भाई के घर से पिता के पास घूकना आई थी और बृहस्पतिवार सुबह उसकी हत्या हो गई।

शादी करना चाहता था

सलेमपुर जाट के पूर्व प्रधान संजय चौधरी ने फोन पर बताया कि राहुल गाजियाबाद के एक कॉलेज में पढ़ता था। पढ़ाई के दौरान ही उसकी युवती से पहचान हुई थी। वह उससे शादी करना चाहता था। राहुल के पिता राजकिरण की कुछ समय पहले तक गाजियाबाद के नंदग्राम क्षेत्र में दुकान थी। काफी समय से राहुल बेरोजगार था। बुधवार सुबह फोन पर सूचना मिली कि उसने युवती की हत्या कर आत्महत्या कर ली।

इन सवाल के जवाब तलाश रही पुलिस

- आरोपी के पास दो हथियार कहां से आए। पिस्टल से गोली चलाई तो तमंचा क्यों लेकर आया।
- राहुल के आत्महत्या के लिए पिस्टल थी तो जहरीला पदार्थ क्यों खाया।
- सुबह आठ बजे बुलंदशहर से घूकना कैसे पहुंच गया आरोपी राहुल।
- परिवार के सदस्यों के बयानों में अंतर क्यों।

इलेक्ट्रिक ग्लोबल मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म पर बेस्ड

Kia EV9 के बारे में जानें खास बातें

Kia EV9 Kia EV9 इलेक्ट्रिक ग्लोबल मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म (E-GMP) पर बेस्ड है।ये एक दमदार लाइटिंग तकनीक के साथ आती है। Kia EV9 एक बार चार्ज करने पर 541 किमी की रेंज देती है। इसका केबिन कई दमदार फीचर्स से लैस है।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में आखिरकार लंबे इंतजार के बाद किआ ने अपनी Kia EV9 एसयूवी का अनावरण कर दिया है। जिसे इस साल की शुरुआत में ऑटो एक्सपो 2023 में पेश किया गया था। कंपनी ने प्रोडक्शन-स्पेक मॉडल में थोड़े बदलाव किए है। तीन रो वाली एसयूवी कई दमदार फीचर्स के साथ आती है। कंपनी ईवी9 को अपना नया फ्लैगशिप मान रही है। चलिए आपको इस कार की खास बात बताते हैं।

Kia EV9 : लाइटिंग

किआ ईवी9 एक दमदार लाइटिंग तकनीक के साथ आती है, जिसे डिजिटल टाइगर फेस कहा जाता है। कार को फ्रंट ग्रिल पर नई लाइटिंग स्कीम मिलती है। इसमें ट्विन वर्टिकल एलईडी हेडलैम्प्स के पास छोटे क्यूब लैंप्स के डुअल क्लस्टर हैं जो एक एनिमेटेड लाइटिंग पैटर्न बनाते हैं। कंपनी का दावा है कि EV9 के मालिक डिजिटल टाइगर फेस के डिजाइन को बदल भी सकते हैं।

Kia EV9 : प्लेटफार्म

आपको बता दें, Kia EV9 को वाहन निर्माता कंपनी इलेक्ट्रिक ग्लोबल मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म (E-GMP) पर बेस्ड है। जिसे Hyundai Ioniq 5 के साथ साझा किया गया है। EV9 में 122 इंच का व्हीलबेस है और इसकी लंबाई 197 इंच है।

Kia EV9 : केबिन फीचर्स

Kia EV9 के केबिन में आपको कई दमदार फीचर्स मिलते हैं। इसमें डिजिटल स्क्रीन है जो ड्राइवर की सीट से केंद्र बिंदु तक फैली हुई है। इसके अलावा, ईवी जो सात और छह-सीटर ऑप्शन में आती है। इसमें कैमरा 180 डिग्री घूम सकता है। इस ऑप्शन का इस्तेमाल तब किया जाता है जब ईवी चार्ज हो रही है।

Kia EV9 : ADAS

भारतीय बाजार में किआ ईवी9 जीटी-लाइन एडवांस ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम (एडीएएस) के साथ आती है। इसमें हाईवे ड्राइविंग पायलट मिलता है जिसके कारण हैंड्स-फ्री ड्राइव करने का अनुमति देता है। एडीएएस 15 सेंसर के आधार पर काम करता है, जिसमें पूर्ण 360 डिग्री कैमरे का इस्तेमाल होता है।

Kia EV9 : पावरट्रेन

Kia EV9 की एक बार चार्ज करने पर 541 किमी की रेंज देती है। इसमें 150 kW इलेक्ट्रिक मोटर है जो EV को 9.4 सेकंड में 0-100 किमी प्रति घंटे की स्पीड से चलती है। इसमें 160 kW इलेक्ट्रिक मोटर मिलता है जिसके कारण कार 8.2 सेकंड में 0-100 किमी प्रति घंटे की स्पीड पकड़ सकती है। किआ का दावा है कि ईवी9 महज 15 मिनट की चार्जिंग में 239 किमी चल सकती है।

इनसाइड

Maruti Suzuki Fronx और Mahindra XUV 300 की ये हैं खूबियां, दोनो में कौन कितनी बेहतर

Maruti Suzuki Fronx और Mahindra XUV 300 के सभी फीचर्स डायमेंशन और इंजन विकल्प के बारे में जान लीजिए। दोनो SUV डुअल टोन इंटीरियर के साथ आती हैं। इसके अतिरिक्त XUV 300 में रियर डिस्क ब्रेक्स हैं जो Fronx में नहीं दिखेंगे।

नई दिल्ली। जापानी कार निर्माता कंपनी Maruti ने हाल ही में अपनी Fronx SUV को अनवील किया था। कंपनी जल्द ही इसे भारतीय बाजार में लॉन्च करने जा रही है। मारुती की ये एसयूवी Balena हैचबैक पर आधारित है और इसे दो इंजन विकल्प के साथ पेश किया गया है। इनमें एक 1.2-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन और एक 1.0-लीटर बूस्टर जेट टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन शामिल है। अनुमान है कि Maruti Suzuki Fronx की शुरुआती एक्स शोरूम कीमतें 7.5 लाख रुपये से शुरू हो सकती हैं। लॉन्च होने के बाद ये कार Hyundai Venue, Mahindra XUV 300, Kia Sonet, Nissan Magnite और Renault Kiger जैसी अन्य कॉम्पैक्ट SUV की टोली में शामिल हो जाएगी। अपने इस लेख में हम आपको Mahindra XUV300 और Maruti Suzuki Fronx के फीचर्स, डायमेंशन और इंजन विकल्प के बारे में बताने जा रहे हैं।

डिजाइन

Fronx की बात करें तो इसमें एलईडी हेडलैंप के साथ एलईडी डीआरएल दिए गए हैं। वहीं XUV 300 में हैलोजन हेडलैंप सेटअप के साथ एलईडी डीआरएल मिलते हैं। दोनों कारों में रियर वाइपर और वॉशर के साथ एक एलईडी टेल लैंप सेटअप दिया गया है। एक्सयूवी 300 में 17 इंच के डायमंड-कट अलॉय व्हील मिलते हैं जबकि फ्रोंक्स में 16 इंच के डायमंड-कट अलॉय व्हील दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त XUV 300 में रियर डिस्क ब्रेक्स हैं जो Fronx में नहीं दिखेंगे।

इंटीरियर

दोनो SUV डुअल टोन इंटीरियर के साथ आती हैं। फीचर्स की बात करें तो Fronx में कनेक्टेड कार टेक्नॉलॉजी के साथ 9 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, Apple CarPlay, Android Auto, Arkamys-tuned साउंड सिस्टम, क्रूज कंट्रोल, हाइट अडजस्टेबल ड्राइवर सीट, ऑटोमैटिक एसी, रियर एसी वेंट, एचयूडी डिस्प्ले और ऑटो-डिमिंग आईआरवीएम जैसे फीचर्स दिए गए हैं। वहीं इसमें 360 डिग्री कैमरा, 6 एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, हिल-होल्ड असिस्ट के साथ ईएसपी जैसे सेफ्टी फीचर्स भी ऑफर किए गए हैं।

भारतीय बाजार में आ गई 3.69 करोड़ रुपये वाली कार, जानें इसमें क्या कुछ खास

Maserati MC20 supercar लंबे इंतजार के बाद आखिरकार भारतीय बाजार में 3.69 करोड़ रुपये में Maserati MC20 supercar कार लॉन्च हो गई है। MC20 का इंजन मिड-माउंटेड है। चलिए आपको इस कार से जुड़ी खास बात बताते हैं।

नई दिल्ली। Maserati ने सबसे पहले MC20 सुपर कार को 2020 में वैश्विक स्तर पर लॉन्च किया था। लेकिन, अब वाहन निर्माता कंपनी ने आखिरकार लंबे इंतजार के बाद इसे भारतीय बाजार में लॉन्च करने का फैसला किया है। आपको बता दें, इस सुपकार की कीमत 3.69 करोड़ एक्स-शोरूम है। ये कीमत किसी भी ग्राहक के कार सेलेक्ट करने से पहले की है। वहीं MC12 के विपरीत, जो Ferrari Enzo पर आधारित था, MC20 एक बिल्कुल नया मॉडल है। कंपनी Maserati MC 20 के लिए 3.0-लीटर V6 इंजन का इस्तेमाल कर रही है। यह 630 बीएचपी और 730 एनएम का टॉर्क जनरेट करने में सक्षम है।

Maserati MC20

MC20 का इंजन मिड-माउंटेड है, जिसमें 3.0-लीटर V6 इंजन है। लेकिन मासेराती का कहना है कि वे F1 की पेटेंट तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसका इंजन 630 hp और 730 Nm का पीक टॉर्क जनरेट करता है। यह 8-स्पीड डुअल-क्लच ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आता है जो पावर को केवल रियर व्हील्स तक ट्रांसफर करता है। इस कार में ड्राइवर चार अलग-अलग ड्राइविंग मोड भी सलेक्ट कर सकते हैं।

यह कार 2.9 सेकंड के अंदर 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है और इसकी टॉप स्पीड 325 किमी प्रति घंटे से अधिक है। वहीं MC20 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 33 मीटर से भी कम दूरी पर रुक सकती है।

Maserati MC20 वजन

आपको बता दें, इस कार के वजन को कम करने के लिए काफी कार्बन का इस्तेमाल किया गया है। जिसके कारण इस कार का वजन 1.5 टन से कम है और इसका वजन 59 प्रतिशत पीछे और 41 प्रतिशत सामने है। MC20 की चेसिस मोनोकॉक टाइप की है और इसका वजन सिर्फ 100 किलोग्राम है।वहीं इस कार का एक्सटीरियर काफी क्लीन और मिनिमलिस्टिक है। इसका कुछ स्टाइल MC12 से लिए गए हैं। भारतीय बाजार में इस कार का मुकाबला Porsche 911 Turbo S, Lamborghini Huracan और Ferrari 296 GTB से है।

Airbag क्या है, कैसे करता ये काम और सभी कारों में इसका होना क्यों है जरूरी?

Airbag ये एक सुरक्षा उपकरण है। साल 2019 में सरकार ने देश की सभी कार में इसे स्टैंडर्ड रूप से पेश करने का आदेश दिया था। अगर आपकी कार में फ्रंट एयरबैग भी दिए गए हैं तो दुर्घटना की स्थिति में ये आपके बहुत काम आएंगे।

नई दिल्ली। जब हम कोई कार खरीदने जाते हैं तो अमूमन हमारा सवाल रहता है कि इसमें कितने एयरबैग हैं? क्या आपको पता है कि एयरबैग का कार में होना क्यों जरूरी है और सरकार इसे सभी कारों में अनिवार्य रूप से देने के लिए क्यों बोलती है। अगर आपका जवाब नहीं है तो हम आपको अपने इस लेख में एयरबैग के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। दुनिया में सबसे पहले एयरबैग को 1950 के दशक में खोजा गया था। यह सुरक्षा उपकरण सरकार द्वारा भारतीय कारों में 2019 से अनिवार्य कर दिया गया है। आइए आपको बताते हैं कि एयरबैग क्या होता है और ये कैसे काम करता है।

क्या है Airbag

Airbag एक सुरक्षा उपकरण है। साल 2019 में सरकार ने देश की सभी कार कंपनियों को इसे स्टैंडर्ड रूप से अपने मॉडलों में पेश करने को कहा था। सरकार का आदेश था कि वाहन निर्माता कंपनी अपनी कार के सभी मॉडल्स में कम से कम दो एयरबैग देंगी। जैसा कि इसका नाम है Airbag है, ये एक कॉटन का बना हुआ थैला होता है जो दुर्घटना की स्थिति में पैसेंजर को बचाने के काम आता है। कंपनियां इसे कार के स्टीयरिंग व्हील, दरवाजे और डैशबोर्ड पर लगाती हैं।

कैसे करता है काम

एयरबैग किसी दुर्घटना की स्थिति में यात्रियों के सिर, गर्दन या छाती को कार के अंदर टकराने से बचाने के लिए होता है। एयरबैग सेंसर द्वारा सक्रिय होता है जो 20-40 किमी प्रति घंटे या उससे अधिक की गति पर कार में किसी वाहरी वस्तु के प्रभाव का पता लगा लेता है। बजट कारों में आमतौर पर डुअल फ्रंट एयरबैग ही मिलते हैं। ये एयरबैग स्टीयरिंग व्हील और डैशबोर्ड दोनों से खुलते हैं। आगे वाले एयरबैग के सेंसर आमतौर पर फ्रंट बम्पर के बीच स्थित होते हैं जबकि साइड एयरबैग के लिए दरवाजे पर सेंसर लगाए जाते हैं। देश में सभी कारों में 2 फ्रंट एयरबैग होना अनिवार्य है। वहीं कंपनियां अपने मंहगे मॉडल में 10 से भी अधिक एयरबैग ऑफर करती हैं।

Airbag क्यों हैं जरूरी

अगर आपकी कार में फ्रंट एयरबैग भी दिए गए हैं तो दुर्घटना की स्थिति में ये आपके बहुत काम आएंगे। जैसे ही कार में लगे सेंसर को आभास होता है कि सामने से 20-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से कोई दवाब पड़ा है तो वह एयरबैग को खोल देता है। ऐसे में यात्री घायल होने से काफी हद तक बच जाते हैं। बशर्ते कार की टक्कर ज्यादा भीषण न हुई हो।

नई सोनाटा को पहली बार में किया गया पेश, मिली ये जानकारी

2023 Hyundai Sonata उत्तर कोरिया में हो रहे 2023 Seoul Motor Show में Hyundai ने अपनी इस नई सेडान कार को दिखाया है। इसके बारे में कंपनी ने क्या जानकारी साझा की है और कितनी खास है 2023 Hyundai Sonata आइए आपको इस लेख में बताते हैं।

नई दिल्ली। कोरियन कार निर्माता कंपनी ह्यूंडई ने हाल ही में 2023 Hyundai Sonata को वैश्विक रूप से अनवील किया था। कंपनी ने अब अपनी इस सेडान कार को जनता के सामने पेश कर दिया है। दरअसल कंपनी ने 2023 सियोल मोटर शो में 2023 Hyundai Sonata को पहली बार लोगों के सामने पेश किया। इसे देखने के लिए काफी मात्रा में भीड़ उमड़ गई। कंपनी अपनी इस अपडेटेड Sonata को सबसे पहले कोरियाई बाजार में बेच सकती है। इसके बारे में कंपनी ने क्या जानकारी साझा की है और कितनी खास है 2023 Hyundai Sonata आइए आपको इस लेख में बताते हैं। 2023 Hyundai Sonata को लेकर ये जानकारी आई सामने उत्तर कोरिया में हो रहे 2023 Seoul Motor Show में Hyundai ने अपनी इस नई सेडान कार को दिखाया है। साथ ही कंपनी ने इसके बारे में कुछ जानकारी भी साझा की हैं। कंपनी ने बताया है कि 2023 Hyundai Sonata कुल तीन पावरट्रेन विकल्पों से लैस होगी। हालांकि अभी तक इसके इंजन की शक्तियों के बारे में कोई खुलासा नहीं किया गया है। हुंडई अपनी अपडेटेड सोनाटा को इस कैलेंडर वर्ष की दूसरी छमाही में अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पहुंचने से पहले दक्षिण कोरिया बाजार में बेच सकती है।

फीचर्स, डिजाइन और इंजन

Hyundai अपनी इस सेडान कार में हेड-अप डिस्प्ले, वायरलेस एप्पल कारप्ले, एंड्रॉइड ऑटो कनेक्टिविटी के साथ 12.3 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 12.3 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल और लेयर्ड डैशबोर्ड जैसे फीचर्स ऑफर कर सकती है।

सामने से देखा जा सकता है कि 2023 Hyundai Sonata में अधिक मस्कुलर बोनट, एक संशोधित हेडलैम्प क्लस्टर और एक नया ग्रिल सेक्शन दिया गया है। साथ ही इसमें एक एलईडी लाइट बार, कनेक्टेड एलईडी टेल लैंप और नया साइड गार्निश दिया गया है।

पीर पंजाल में उभरते नए समीकरण

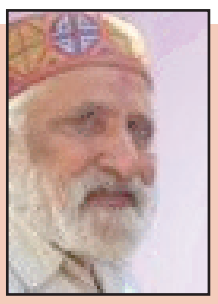

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

भारत सरकार ने जम्मू कश्मीर के पीर पंजाल क्षेत्र में रहने वाले पहाड़ी समुदाय को एसटी का दर्जा देने का निर्णय किया है। पीर पंजाल वस्तुतः जम्मू संभाग और कश्मीर घाटी को विभाजित करता है।

भारत सरकार ने जम्मू कश्मीर के पीर पंजाल क्षेत्र में रहने वाले पहाड़ी समुदाय को एसटी का दर्जा देने का निर्णय किया है। पीर पंजाल वस्तुतः जम्मू संभाग और कश्मीर घाटी को विभाजित करता है। कश्मीर घाटी मोटे तौर पर मैदानी इलाक़ा है और पीर पंजाल दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र है जहां की ज़िंदगी वस्तुतः बहुत ही कठिन है। विकास की दृष्टि से अभी तक की सरकारों ने इस इलाके की ओर किंचित भी ध्यान नहीं दिया। पीर पंजाल में ज़्यादातर राजौरी और पुंछ क्षेत्र आता है। इस क्षेत्र में रहने वाले अधिकांश लोग गुज्जर-बकरवाल या फिर पहाड़ी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। दोनों के जीवन यापन का तौर तरीक़ा लगभग एक जैसा ही है। पशुपालन इनका व्यवसाय है। शिक्षा का अभाव है। गुज्जर-बकरवाल और पहाड़ी समुदाय दोनों ही लम्बे अरसे से मांग कर रहे थे कि इनको एसटी यानी जनजाति का दर्जा दिया जाए।

अंग्रेज़ी भाषा में कहा जाए तो इनकी मांग थी कि इन्हें ट्राइबल माना जाए। ट्राइबल मान लिए जाने के बाद इन समुदाय के लोगों को सरकारी नौकरियों में देश के अन्य हिस्सों की तरह आरक्षण का लाभ मिल सकता था। जम्मू कश्मीर में कश्मीरियों और डोगरों के बाद जनसंख्या के लिहाज़ से गुज्जर-बकरवाल व पहाड़ी समुदाय का ही नाम आता है। ये समुदाय केवल पीर पंजाल में ही नहीं, बल्कि कश्मीर घाटी के अनंतनाग व बारामूला जिला में भी काफी संख्या में निवास करते हैं। लेकिन जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 के कारण अभी तक वहां की राजनीति में गुपकार रोड के दो-तीन परिवारों का ही कब्जा था। इनमें से मुफ्ती परिवार एटीएम मूल (अरब, तुर्क, मुग़ल) के समुदाय से ताल्लुक रखता है और फारूक अब्दुल्ला का परिवार डीएम (देसी मुसलमान) यानी देसी मुसलमानों से ताल्लुक रखता है। ये दो अलग-अलग वर्ग हैं। यह अलग बात है कि अब्दुल्ला परिवार ने अपने राजनीतिक हितों के लिए डीएम का केवल इस्तेमाल ही किया है, उसे एटीएम के शिकंजे से छुड़ाने का कोई प्रयास नहीं किया। इसीलिए यह परिवार अपने पारिवारिक हित के लिए बीच बीच में एटीएम से भी समझौता कर लेता था। अपने राजनीतिक हितों की रक्षा के लिए बीच बीच में अब्दुल्ला परिवार और एटीएम परिवार गुपकार यूनियन भी बना लेते। ये जानते थे कि यदि गुज्जर बकरवाल व पहाड़ी समुदाय को उनके उचित अधिकार दे दिए गए तो इनकी कश्मीर केन्द्रित राजनीति में भूकम्प आ जाएगा। गुपकार यह भी जानता था कि अनुच्छेद 370 निरस्त हो जाने से जम्मू कश्मीर में सचमुच लोकतंत्र स्थापित हो जाने का रास्ता खुल चुका था। पंजाबियों, विस्थापितों, गुज्जर-बकरवालों व पहाड़ी समुदाय के लोगों को भी उनके उचित सांविधानिक अधिकार मिल गए थे।

इसलिए गुपकार ग्रुप ने पहले ही चिल्लाना शुरू कर दिया था कि यदि अनुच्छेद 370 निरस्त किया गया तो राज्य में ख़ून की नदियां बह जाएंगी। एटीएम मूल के मुफ्ती मौलवियों ने तो यहां तक कहना शुरू कर दिया था कि राज्य में तिरंगा थामने वाला कोई नहीं होगा। लेकिन डोगरों, विस्थापितों, डीएम यानी देसी मुसलमान कश्मीरियों, गुज्जर-बकरवालों व पहाड़ी समुदाय को पता था कि गुपकार ग्रुप से उनकी मुक्ति का रास्ता अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद ही खुलता था। यही कारण था कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने पर ख़ून की नदियां तो नहीं बहीं बल्कि पीर पंजाल की पहाडियों पर तिरंगा और भी शान से फहराने लगा। स्थानीय निकायों के चुनाव हुए तो गुपकार ग्रुप पहले विरोध में चिल्लाता रहा लेकिन जब उसे लगा कि राज्य में सत्ता का केन्द्र गुपकार न रह कर, राज्य के गांवों में शिफ्ट हो जाएगा तो उसने झख मार कर चुनावों में भाग लिया। सरकार ने विधानसभा क्षेत्रों के सीमांकन में पीर पंजाल की विधानसभा सीटों में इजाफा कर दिया। गुपकार को सांप सूंघ गया। गुज्जर-बकरवाल और पहाड़ी समुदाय को आरक्षण का लाभ दिया गया। विधानसभा में एसटी के लिए सीटें देश के अन्य राज्यों की तरह आरक्षित कर दी गईं। गुपकार रोड पर सन्नाटा छा गया। लेकिन उसके तरकश में एक तीर बाक़ी था। उसने गुज्जरों व पहाडियों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास किया। एटीएम की महबूबा मुफ्ती अपने असली रंग में आ गई। उसका कहना था कि पहाडियों को एसटी का दर्जा देने से गुज्जर उठ खड़े होंगे। पीर पंजाल वर्षों से शांत रहा है, अब वह अशांत हो जाएगा।

महबूबा जानती थीं कि पीर पंजाल शांत कभी नहीं रहा। वह तो अपने खिलाफ हो रहे अन्याय से लड़ते हुए दशकों से अशांत था, लेकिन अनुच्छेद 370 के कारण उनकी चीख़ें दब जाती थीं। एटीएम उनको इस्लाम की घुट्टी पिला पिला कर चुप कराने का प्रयास करता था। लेकिन उससे पेट की आग तो नहीं बुझती। उसके न्यायोचित अवसर तो नहीं मिलते। पीर पंजाल में रहने वाले अधिकांश पहाड़ी भी राजपूत समुदाय के क्षत्रिय लोग हैं। इनकी मातृभाषा पहाड़ी है। ये भी सभी प्रकार के आरक्षण अधिकारों से वंचित प्राणी हैं। एटीएम को इस देश की सामाजिक संरचना को समझने के लिए और दिमाग खपाना होगा। महबूबा मुफ्ती और उनकी सोच के लोग नहीं चाहते कि सत्ता ताश के पत्तों की तरह उनके हाथों से निकल कर गुज्जरों, बकरवालों, पहाडियों, डोगरों, हांजियों, कश्मीरियों, दरदों, बलतियों, पिछड़ों और दलितों के हाथ में चली जाए। इसलिए वे पहाडियों को एसटी का दर्जा दिए जाने का विरोध करते रहे। एटीएम का दूसरा तर्क और भी मज़ेदार था। उनका कहना था कि पहाडियों में हिंदू, सिख और मतांतरित मुसलमान सभी शामिल हैं। इसलिए उनको एसटी का दर्जा कैसे दिया जा सकता है? यह सचमुच हास्यास्पद तर्क था। इसका अर्थ हुआ कि यदि ये हिंदू-सिख मतांतरित होकर मुसलमान हो जाएं तब तो एसटी का दर्जा देने में कोई एतराज़ नहीं है। एतराज़ इन पहाडियों के हिंदू और सिख होने का था। अब नई व्यवस्था में गुज्जर/बकरवाल के अलावा पहाडियों के लिए भी विधानसभा की कुछ सीटें आरक्षित करने की सम्भावना बनी थी। गुज्जरों ने चाहे अरसा पहले इस्लाम मत को स्वीकार कर लिया था, लेकिन ये शेख और सैयद उनको अपने नज़दीक खड़े होने के काबिल भी नहीं मानते थे। लेकिन अब अनुच्छेद 370 के हटने से हालात बदल गए। अब सत्ता देसी मुसलमानों के हाथों में आती जा रही है। यह बात एटीएम वालों को पच नहीं रही है। देसी मुसलमानों पर उनका नियंत्रण ढीला हो रहा है। उनकी तरक्की से वे जल रहे हैं

एटीएम का दूसरा तर्क और भी मज़ेदार था। उनका कहना था कि पहाडियों में हिंदू, सिख और मतांतरित मुसलमान सभी शामिल हैं। इसलिए उनको एसटी का दर्जा कैसे दिया जा सकता है? यह सचमुच हास्यास्पद तर्क था। इसका अर्थ हुआ कि यदि ये हिंदू-सिख मतांतरित होकर मुसलमान हो जाएं तब तो एसटी का दर्जा देने में कोई एतराज़ नहीं है। एतराज़ इन पहाडियों के हिंदू और सिख होने का था। अब नई व्यवस्था में गुज्जर/बकरवाल के अलावा पहाडियों के लिए भी विधानसभा की कुछ सीटें आरक्षित करने की सम्भावना बनी थी। गुज्जरों ने चाहे अरसा पहले इस्लाम मत को स्वीकार कर लिया था, लेकिन ये शेख और सैयद उनको अपने नज़दीक खड़े होने के काबिल भी नहीं मानते थे। लेकिन अब अनुच्छेद 370 के हटने से हालात बदल गए।

संपादक की कलम से

कर्ज की बेडिय़ां

बजट की तारीफों के बाद नियंत्रक महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट ने बता दिया कि हिमाचल का वित्तीय प्रबंधन कितना कागजी और कितना नाजुक है। वित्त वर्ष 2021-22 का लेखाजोखा फिर राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के मुकाबले घाटे के बजट में, ऋण के बढ़ते बोझ को घूर रहा है। हर साल राज्य का व्यय तो बढ़ रहा है, लेकिन आमदनी की जगह ऋण का अंगूठा लग रहा है। पिछले पांच सालों में खर्च की रफ्तार अगर 36.06 प्रतिशत दर वृद्धि से बढ़ गई, तो पिछले ही साल उधार का नया कीर्तिमान 14437 करोड़ हो गया। कर्ज की बेडियों में हिमाचल के लिए आत्मनिर्भरता के संकल्प पालना एक भ्रम सरीखा है, जबकि उन्नति की राहों पर भारी भरकम प्रशासनिक दबाव, कर्मचारी फौज की हिफाजत में उदारता की मुद्रा और निजी क्षेत्र के प्रति स्पष्टता का अभाव अब एक स्थायी चरित्र बन चुका है। कर्ज अब मूलधन के साथ-साथ ब्याज की मूछों से आतंकित है। पिछले ही साल की आर्थिक व्यथा पर गौर करें, तो 2021-22 के अंत तक कुल 68630 करोड़ के उधार में मूलधन 45297 करोड़ जबकि इसमें ब्याज चुकाने की उधारी भी 23333 करोड़ जुड़ गई। यह कमाल की आर्थिक व्यवस्था है जहां उधार के साथ ब्याज चुकाने के लिए भी नए ऋण की व्यवस्था करनी पड़ती है। यही वजह है कि अगले पांच साल अगर चालीस फीसदी दर से भी ऋण चुकाने की बाध्यता देखी जाए, तो 27677 करोड़ की देनदारी अब से गिन लेनी चाहिए।

कैग रिपोर्ट ने एक तरफ हमारी खाना खराबी दर्ज की है, तो दूसरी ओर राजनीति का अपना हिसाब और हिमाचली जनता की अपनी अपेक्षाएं हैं। देश में सबसे कम कर अदायगी करने वाले राज्य के रूप में हिमाचल की हर सरकार को कर मुक्त बजट में कर्मचारियों की तनख्वाह तथा पेंशन भुगतान में ही पसीना बहाना होगा ताकि इनकी शिकायत कहीं चुनावी पेटी न सुन ले। पिछले वित्तीय साल की डरावनी सूरत में भी वेतन पर बढ़ता खर्च 12192.52 करोड़ रहा, जबकि पेंशन भुगतान 6398.91 करोड़ पहुंच गया। ऐसे में राज्य को वित्तीय खुराक कहां से मिलेगी। हैरानी यह कि अगर वाटर चार्जेज के जारी बिलों में से नौ करोड़ वसूलना ही विभाग भूल जाए, तो इससे पता चल जाता है कि हम कितने अगंभीर हैं। अभी तो ओपीएस बनाम एनपीएस का लेखाजोखा भी जुड़ेगा और कहीं सत्ता की गारंटियों में महिलाओं को पंद्रह-पंद्रह सौ का उपहार तथा आगे चलकर तीन सौ यूनिट बिजली का मुफ्त का उपहार, वित्तीय व्यवस्था के मरे हुए सांप धारण करेगा। ऐसे में प्रश्न यह भी है कि आखिर संसाधन विहीन राज्य कब तक सबक सीखेगा। आश्चर्य यह कि वित्तीय कुप्रबंधन के बावजूद हिमाचल अपने अनावश्यक व्यय पर रोक नहीं लगा रहा। सार्वजनिक उपक्रमों का घाटा अगर 4378 करोड़ की सीमा लांघ रहा है, तो इसका अर्थ यह भी कि किसी ने व्यवस्था सुधारने के लिए वित्तीय अनुशासन की जरूरत ही नहीं समझी। पिछले वित्तीय वर्ष में बिजली बोर्ड 185.32 करोड़ के घाटे के बावजूद मुफ्त बिजली प्रदान कराने का शेखचिल्ली अंदाज दिखा रहा है, तो 40.23 करोड़ की हानि उठा कर भी इस दौरान एचआरटीसी नए बस डिपो खोलने की हिमाकत कर पाई। आश्चर्य यह कि हिमाचल पर्यटन विकास निगम की ढाई दर्जन के करीब इकाइयां केवल घाटा पैदा कर रही हैं, लेकिन कोई यह पूछ नहीं पाया कि पर्यटन राज्य के सरकारी दस्तावेज इतने कमजोर कैसे हुए।

कैग रिपोर्ट ने वित्तीय अनियमितताओं को छूते हुए यह जाहिर कर दिया कि राजनीतिक प्राथमिकताओं के कारण बजट को वित्तीय सर्प दंश का जहर चढ़ रहा है। ऐसे में प्रशासनिक व वित्तीय सुधारों की सख्त जरूरत को हम टाल नहीं सकते। यदि 23 अग्निशमन केंद्रों के समीप पानी का कोई स्थायी प्रबंध ही नहीं, तो इस विकास मॉडल की अर्थियां ही निकलेंगी। पद और पदक के बीच अपनों के कल्याण की फेहरिस्त में हुई फिजूलखर्ची का भी एक रिकॉर्ड वित्तीय अनुशासनहीनता में दर्ज हो रहा है।

खेल विभाग अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाए

भूपिंदर सिंह

हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं अपितु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं मगर अधिकतर खिलाडियों के प्रशिक्षण में हिमाचल का योगदान कहीं नजर नहीं आता है। इस सबका प्रमुख कारण है कि इस पहाड़ी प्रदेश का खेल विभाग खेल प्रशिक्षण के लिए राज्य में वह वातावरण ही नहीं बन पाया है जिसमें प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट परिणाम दिला सके। खेल प्रशिक्षण एक दशक से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। इतनी लंबी समय अवधि खेल प्रशिक्षण कार्यक्रम को देकर ही कोई किस्मत वाला खिलाड़ी अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाता है। हिमाचल प्रदेश में लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम का कोई भी प्रावधान अभी तक नहीं बन पाया है। हिमाचल प्रदेश राज्य युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के प्रशिक्षकों को कभी विभिन्न विभागों की भर्तियों में ड्यूटी तो कभी मेलों व उत्सवों में हाजिरी भरनी पड़ती है। खेल प्रशिक्षक की नियुक्ति ही उच्च खेल परिणामों के लिए की गई होती है, मगर यहां पर प्रशिक्षकों को केवल मल्टीपर्पज कर्मचारी बना दिया गया है। हिमाचल प्रदेश के मेलों व उत्सवों में किसी और खेल का प्रशिक्षक किसी और ही खेल की प्ले फील्ड में नजर आता है। इसी तरह पुलिस आदि विभागों की भर्तियों में एथलेटिक्स प्रशिक्षकों की ड्यूटी तो समझ आती है, मगर वहां तो हर खेल के प्रशिक्षक को भेज दिया जाता है। नियमानुसार इन भर्तियों के लिए एथलेटिक्स प्रशिक्षक ही सक्षम है क्योंकि इस टैस्ट में केवल एथलेटिक स्पर्धाओं को ही रखा गया है।

ऐसे में एथलेटिक्स प्रशिक्षक की ड्यूटी तो समझ आती है, मगर वहां अन्य खेलों, जैसे कुश्ती, मुक्केबाजी, हैंडबाल व वालीबाल आदि के प्रशिक्षक का क्या औचित्य है, इस बात का उत्तर किसी के भी पास नहीं है। जो प्रशिक्षक खेल प्रशिक्षण से दूर रह कर मौज मस्ती कर रहा है वह तो खुश रहता होगा, मगर जो सच ही में प्रशिक्षण करवा रहा होगा वह जब कई दिनों तक खेल मैदान से दूर रहेगा तो फिर कौन अभिभावक अपने बच्चे को बिना प्रशिक्षक के मैदान में भेजेगा। हद तो तब हो जाती है जब राज्य में चल रहे खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी भर्तियों में लगा दी जाती है और खेल छात्रावास में रह रहे खिलाडियों को भी खेल प्रशिक्षण से दूर कर दिया जाता रहा है। क्या प्रतिभा खोज से चयनित इन अति प्रतिभाशाली खिलाडियों को प्रशिक्षक से कुछ समय के लिए ही सही, इस तरह सरकार का अपने प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण कार्यक्रम से दूर करना कहां तक उचित है। खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी खेल प्रशिक्षण के सिवा और कहीं भी नहीं होनी चाहिए। प्रशिक्षण पर कई बार इस कॉलम के माध्यम से खेल विभाग को जागरूक किया जाता रहा है। स्तरीय प्रशिक्षण के बिना उत्कृष्ट प्रदर्शन बहुत कठिन है। आजकल हर शिक्षित मां-बाप के दो और कई जगह तो एक ही बच्चा है, ऐसे में वह उसे उस क्षेत्र में उच्चतम शिखर तक ले जाना चाहता है जिसमें बच्चे की रुचि व उस क्षेत्र के लिए पर्याप्त प्रतिभा भी हो। आज का अभिभावक अपने बच्चों के कैरियर की खातिर ही सरकार की मुफ्त शिक्षा सुविधाओं को छोडक़र निजी क्षेत्र की महंगी, मगर अधिक गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए लाखों रुपए खर्च कर रहा है। आज लाखों प्रतिभाशाली विद्यार्थी निजी कोचिंग संस्थानों में डाक्टर व इंजीनियर बनने इसलिए जमा दो की परीक्षा से कई वर्ष पहले पहुंच रहे हैं। इसी तरह अब खेल क्षेत्र में भी हो रहा है। अभिभावक अपने बच्चों के लिए खेलों में भी कैरियर तलाश रहा है और इस सबके लिए अच्छी खेल सुविधाओं के साथ-साथ उच्च स्तरीय प्रशिक्षक भी लगातार कई वर्षों तक उसके बच्चों को मिलना चाहिए ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता बनने का सफर सफलतापूर्वक पूरा कर सके। इसलिए देश में निजी खेल अकादमियों का चलन भी बढ़ रहा है। गोपीचंद बैंडमिंटन अकादमी के विश्व स्तर के परिणाम सबके सामने हैं। यह सब लगातार अच्छे प्रशिक्षण कार्यक्रम का ही नतीजा है।

इस समय विभिन्न खेलों के लिए देश में निजी स्तर पर कई आकादमियां शुरू हो चुकी हैं। इन खेल अकादमियों को अधिकतर पूर्व ओलंपियन चला रहे हैं और यहां से अच्छे खेल परिणाम भी मिल रहे हैं। इन अकादमियों में जो विशेष है वह यह है कि यहां उच्च क्षमता वाला प्रशिक्षक लगातार उपलब्ध है। हिमाचल प्रदेश के पास आज विभिन्न खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड तैयार हैं, वहां पर या तो प्रशिक्षक हैं ही नहीं और जहां हैं भी, वे या तो प्रशिक्षण से बेरुख हैं या उनमें अच्छे स्तर के खेल परिणाम दिलाने की क्षमता ही नहीं है। क्या सरकार उत्कृष्ट खेल परिणाम दिलाने वाले प्रशिक्षकों को यहां लगातार कई वर्षों के लिए अनुबंधित कर हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों को राज्य में ही प्रशिक्षण सुविधा दिला कर खेल प्रतिभा का पलायन रोक नहीं सकती है। इससे प्रदेश में खेल वातावरण बनेगा तो हर खेल प्रशिक्षक प्रेरित होकर चाहेगा कि उसके शिष्य भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करें। इस सबके लिए हर प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़ेगा। हिमाचल प्रदेश में अच्छे क्षमतावान प्रशिक्षकों का लगातार प्रशिक्षण खिलाडियों को किसी भी स्तर पर नहीं मिल पा रहा है। खेल मंत्री युवा हैं, वर्तमान में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल के महत्व को भी समझते हैं। उन्हें चाहिए कि वह अपने यहां नियुक्त प्रशिक्षकों को नियमित प्रशिक्षण करवाने के लिए योजना तैयार कर उसे धरातल पर उतारें ताकि हिमाचल की संतानें अपने राज्य में ही प्रशिक्षण प्राप्त कर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विजेता बन कर हिमाचल व भारत को गौरव दिला सकें।

> “इस सबके लिए हर प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़ेगा। हिमाचल प्रदेश में अच्छे क्षमतावान प्रशिक्षकों का लगातार प्रशिक्षण खिलाडिय़ों को किसी भी स्तर पर नहीं मिल पा रहा है। खेल मंत्री युवा हैं, वर्तमान में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल के महत्त्व को भी समझते हैं। उन्हें चाहिए कि वह अपने यहां नियुक्त प्रशिक्षकों को नियमित प्रशिक्षण करवाने के लिए योजना तैयार कर उसे धरातल पर उतारें ताकि हिमाचल की संतानें अपने राज्य में ही प्रशिक्षण प्राप्त कर अच्छा प्रदर्शन कर सकें‘

व्यंग्य

वहम की दवा

यदि वहम की कोई दवा मिलती होती तो मैं उसका सबसे बड़ा खरीददार होता। वहम में मेरा कोई मुकाबला नहीं। बात-बात में वहम। यह मैंने अच्छी तरह मालूम कर लिया है कि वहम की दवा भारत में तो है नहीं। विदेशों में कहीं मिलती हो तो मुझे जानकारी नहीं है। कई बार तो वैज्ञानिकों को लानत देने की इच्छा होती है कि वे एक मामूली रोग 'वहम' की आज तक कोई दवा नहीं खोज पाये। विकास की चकाचौंध को हम बढ़ाते तो गये, परंतु वहमियों का मर्ज दिन-दिन हरा होता रहा। कई बार तो इच्छा होती है कि वहमियों की यूनियन बनाऊं और उसका चेयरमैन बनकर मैं इनके हितों के लिए कार्य करूं। दुनिया के कुल वहमियों में से करीब पचास प्रतिशत वहमी हमारे देश में पाये जाते हैं। वैसे बुजुर्गों का कहना है कि वहम की कोई दवा नहीं होती। परंतु मेरा कहना है कि वहम की दवा होनी चाहिए। यदि नहीं है तो उसे खोजा जाना चाहिये क्योंकि वहम बाकायदा एक रोग है और हर रोग की एक दवा हुआ करती है। वहम भी छूत रोगों में आता है।

अतः ऐसे रोगी से बचने का प्रयास करना चाहिए जो इसका शिकार हो। अच्छा-भला-चंगा आदमी भी एक क्षण में इसकी चपेट में आ सकता है। वहम के शिकार लोगों को उजड़ते तथा बरबाद तक होते देखा गया है। उन्होंने अपना जीवन तो नर्क बनाया ही है, साथ ही परिवारजनों तथा परिजनों को भी इस महामारी की चपेट में लिया है। आदमी के अन्य कोई बड़ा रोग हो जाये परंतु वहम नहीं होना चाहिये। शंका और संदेह इस रोग के दूसरे नाम हैं। जरा-सी शंका हो जाये, उसका जब तक समाधन नहीं हो, वह बेचैन किये रहती है। पिछले दिनों मेरे साथ एक घटना घटी। मैंने बाजार से एक दिन कुछ नाश्ता लाकर किया तथा बाद में वहम हो गया कि उसमें तो कुछ विषैला पदार्थ था। फिर क्या था, रोग के लक्षण प्रकट होने लगे। जी घबराने लगा, मितली आने लगी और बेवजह पाखाना जाने की इच्छा होने लगी। सारे शरीर में गिरावट आ गई तथा पूरा शरीर पसीने से भीग गया। भागा-भागा डॉक्टर के पास गया तो डॉक्टर ने सब कुछ सुनकर-देखकर कहा-'तुम तो ठीक हो, तुम्हें वहम हो गया है तथा वहम की दवा मेरे पास तो है नहीं!' मैंने कहा-'वहम नहीं, मुझे पसीना आ रहा है और लग रहा है कि कुछ-न-कुछ होने वाला है।' डॉक्टर महाशय बोले-'मेडिकल में एडवांस कुछ नहीं होता। पहले कुछ हो जाने दो, फिर निदान करेंगे। यह सब 'वहम बनाम फियर' की वजह से है। तुम जाकर आराम करो।' मैं आ तो गया, परंतु शंका का समाधान नहीं हुआ था। परेशान रहा। पत्नी से कहा कि वह मेरे हाथ-पांव दबाती रहे। मुझे नींद आई तो वह डर गई, बोली-'आप आंख बंद मत करिये, मेरा जी घबरा रहा है।' मैंने कहा-'तुम्हें भी हो गया है?' वह बोली-'क्या?' मैंने कहा-'वहम।' सारी रात वहम से पीड़ित होकर गुजारी तथा प्रातः थोड़ा नार्मल हुए। मुझे अब तो बात-बात में संदेह होने लगा है। जैसे खाने की चीज खुली थी, पता नहीं बिल्ली, कुत्ता, छिपकली मुंह दे गई हो। पानी में कुछ गिर गया है। आज दूध का रंग कुछ नीला-सा है। सब्जी में कहीं कुछ गिर तो नहीं गया। बेवजह पत्नी से झगड़ पड़ता हूं। वह लाख कहती है कि चीजें ढकी हुई तथा सुरक्षित हैं, आप व्यर्थ में वहम कम किया करो, परंतु वहम है कि अपना जोर दिखाये बिना नहीं रहता। अनेक बार दूध को फेंका, सब्जियां फेंकी तथा नये सिरे से खाने-पीने की तैयारी की गई। घर में अशांति का वातावरण बना, वह अलग था। लोग सनकी-वहमी कहने लगे, वह पृथक बात थी।

पूरन सरमा

चिंतन विचार

जलाओ दिमाग की बत्ती

पीके खुराना

आज हमारा जीवन बहुत व्यस्त है और करिअर की दौड़ में सरपट भागते हुए हम सोच ही नहीं पा रहे कि हम जीवन में क्या खो रहे हैं। एकल परिवार में कामकाजी दंपत्ति के बच्चे अकेलापन महसूस करने पर टीवी और प्ले स्टेशन में व्यस्त होने की कोशिश करते हैं। भावनात्मक परेशानियों से जूझ रहा बच्चा एक बार इनका आदी हो जाए तो वह कई स्वास्थ्य समस्याओं का शिकार हो जाता है। किशोर अथवा युवा होते बच्चे भी व्यायाम के बजाय डिस्कोथेक के रेशमी अंधेरों व चौंधियाने वाली रोशनियों में गुम हो रहे हैं'

जनसामान्य में पीजीआई के नाम से प्रसिद्ध चंडीगढ़ स्थित चिकित्सा शिक्षा एवं शोध के स्नातकोत्तर संस्थान 'पोस्टग्रैजुएट इंस्टीट्यूट ऑव मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च' से जुड़े तीन अलग-अलग अध्ययनों ने मेरे दिमाग की बत्ती जलाई है और मुझे उम्मीद है कि ये अध्ययन कुछ और लोगों के दिमाग की बत्ती भी जला सकते हैं। हास्य की दुनिया के बेताज बादशाह रहे स्वर्गीय जसपाल भट्टी ने अपने प्रसिद्ध कार्यक्रम उलटा-पुलटा के एक शो में आधुनिक जीवन की विकृति को चित्रित करते हुए बताया था कि आज के बच्चे खेल के नाम पर कंप्यूटर गेम्स या प्ले स्टेशन गेम्स में खोये रहते हैं और इस कारण शारीरिक गतिविधियों और व्यायाम से उनका नाता टूट गया है जिसके कारण उन्हें छोटी उम्र में ही स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। आज लगभग हर घर में केबल टेलिविजन सुविधा उपलब्ध है, यानी हर रोज़, चौबीसों घंटे टीवी के किसी न किसी चैनल पर कोई न कोई मनोरंजक अथवा मनपसंद कार्यक्रम आ ही रहा होता है। हर कोई टीवी का दीवाना है। छोटे बच्चे कार्टून कार्यक्रमों में मस्त हो जाते हैं। मां-बाप इसे बड़ी सुविधा मानते हैं क्योंकि कार्टून शो में खोये बच्चे को कुछ भी और कितना भी खिलाना आसान होता है, बच्चा टीवी में व्यस्त हो जाता है और घर से बाहर नहीं जाता, शरारतें नहीं करता, फालतू की ज़िद नहीं करता। संपन्न आधुनिक शहरी घरों में बच्चों के लिए प्ले स्टेशन पोर्टेबल (पीएसपी) भी उपलब्ध हैं और बच्चे इनमें खोये रहते हैं। मां-बाप सोचते हैं कि बच्चा कार्टून ही तो देख रहा है, लेकिन वे उससे होने वाले दिमागी प्रभाव को नहीं समझ पाते। कार्टून शो में सीन बदलने की गति यानि फ्लिकरिंग इतनी तेज़ होती है कि कई बार बच्चे का दिमाग उसे पकड़ नहीं पाता और वह कन्फ्यूज़ हो जाता है। इससे बच्चे को उलटी होने जैसा महसूस हो सकता है।

सीन बदलने के कारण रोशनी की तीव्रता तेजी से घटती-बढ़ती है, जिसे फ्लैशिंग कहते हैं। इससे भी बच्चों की आंखों पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जिसे फोटोफोबिया कहा जाता है। लगातार कार्टून देखने वाले अथवा प्ले स्टेशन पर खेलने वाले बच्चे अक्सर इसीलिए बाद में थकान महसूस करते हैं और उन्हें मिरगी की शिकायत हो सकती है। सन 2012 में पीजीआई में पीडियाट्रिक मेडिसिन की प्रोफेसर डा. प्रतिभा सिंघी तथा पीजीआई के ही स्कूल ऑव पब्लिक हेल्थ के डा. सोनू गोयल ने शहर के दो दर्जन से अधिक स्कूलों में हुए एक सर्वेक्षण के परिणामों की पुष्टि करते हुए बताया कि बच्चों द्वारा लंबे समय तक कार्टून देखना अथवा प्ले स्टेशन पर खेलना उनकी सेहत के लिए खतरनाक है। अल्ज़ाइमर एक ऐसी बीमारी है जिससे ग्रस्त व्यक्ति रोज़मर्रा की साधारण चीजों को भी भूलने लगता है, मसलन अलमारी खोलनी हो तो फ्रिज खोलकर खड़े हो जाएं, बात करते समय भूल जाएं कि बातचीत का विषय क्या था, अपनी कोई बात समझाने के लिए किसी विशिष्ट घटना का जिक्र शुरू कर दें और यह भूल जाएं कि उस उदाहरण से समझाना क्या चाहते थे, हाथ में पकड़ी या गोद में पड़ी किसी चीज को इधर-उधर ढूंढ़ें। डिमेंशिया यानी दिमाग के तंतुओं के मरने के कारण होने वाली बीमारी अल्ज़ाइमर से बचने के लिए तथा स्मरण शक्ति के विकास के लिए आयुर्वेद ब्रह्मी बूटी के प्रयोग की सिफारिश करता है। पीजीआई में न्यूरोलाजी विभाग के तत्कालीन प्रोफेसर व मुखिया डा. सुदेश प्रभाकर के अनुसार चूहों पर किए प्रयोगों से डाक्टरों ने पाया था कि भूलने की बीमारी के इलाज के लिए ब्रह्मी बूटी सचमुच लाभदायक है और उन्होंने भूलने की बीमारी से ग्रस्त मरीजों पर ब्रह्मी बूटी के क्लीनिकल प्रयोग किए। इसके तहत डिमेंशिया से पीड़ित सौ मरीजों का चयन किया गया।

इनमें से 50 को परंपरागत एलोपैथी दवाएं दी गईं और बाकी 50 को ब्रह्मी से बनी दवाएं। फर्क यह है कि ब्रह्मी से बनी दवाओं की गुणवत्ता और पैकिंग आदि का जिम्मा पीजीआई के ही फार्माकोलाजी विभाग को दिया गया, जहां मान्य अंतरराष्ट्रीय मानकों का भी ध्यान रखा गया ताकि दवा के परिणाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेश किए जा सकें। इस परियोजना की देखरेख कर रही टीम में पीजीआई के न्यूरोलाजी विभाग के डाक्टरों के अलावा एक आयुर्वेदाचार्य को भी शामिल किया गया था। परिणामस्वरूप ब्राह्मी बूटी ने अपना असर दिखाया और मरीजों की हालत में काफी सुधार पाया गया।

इनसाइड

BSE व NSE से अदाणी ग्रीन को राहत, जानें समूह के कितने शेयर अब भी एक्सचेंजों की निगरानी में

नई दिल्ली। एक्सचेंजों के अनुसार अदाणी ग्रीन के शेयरों को निगरानी फ्रेमवर्क के दूसरे चरण से पहले चरण में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। बीएसई और एनएसई ने 28 मार्च 2023 को अदाणी ग्रुप के इस स्टॉक को लॉन्ग टर्म एएसएम फ्रेमवर्क के दूसरे स्टेज में ट्रांसफर किया था। माना जा रहा है कि एक्सचेंजों के इस फैसले से अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयरों को बड़ी राहत मिलेगी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और एनएसई (NSE) ने अदाणी ग्रुप की रिन्युएबल एनर्जी इकाई अदाणी ग्रीन एनर्जी को अब लॉन्ग टर्म एएसएम फ्रेमवर्क के स्टेज वन में रखने का फैसला किया है। एक्सचेंजों का यह फैसला 10 अप्रैल के ट्रेडिंग सेशन से लागू हो जाएगा। एक्सचेंजों से मिली जानकारी के अनुसार अदाणी ग्रुप के इस स्टॉक को निगरानी फ्रेमवर्क के दूसरे चरण से पहले चरण में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। बीएसई और एनएसई ने 28 मार्च 2023 को अदाणी ग्रुप के इस स्टॉक को लॉन्ग टर्म एएसएम फ्रेमवर्क के दूसरे स्टेज में ट्रांसफर किया था। माना जा रहा है कि एक्सचेंजों के इस फैसले से अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयरों को बड़ी राहत मिलेगी।

क्या होता है एएसएम फ्रेमवर्क?

एएसएम का पूरा नाम है एडिशनल सर्विलांस मेजर्स। बाजार नियामक निवेशकों के हितों को ध्यान में रखकर किसी भी शेयर में अधिक उतार-चढ़ाव की स्थिति में उसे इस फ्रेमवर्क के तहत डालकर उसकी निगरानी करता है। किसी कंपनी के शेयर को उसके हाई-लो वैरिएशन, प्राइस बैंड हिट्स की संख्या, क्लोज टू क्लोज प्राइस वेरिएशन, कंज्यूमर की सक्रियता ओर प्राइस अर्निंग रेशियो के आधार पर एएसएम फ्रेमवर्क के तहत डाला जाता है। इन मापदंडों के आधार पर शेयरों को दो तरह के फेमवर्क शॉर्ट टर्म एएसएम और लॉन्ग टर्म एएसएम में रखा जाता है। शॉर्ट टर्म एएसएम के तहत दो स्टेज होते हैं जबकि टर्म एएसएम में चार स्टेज होते हैं। जैसे-जैसे स्टेज बढ़ते जाते हैं, वैसै-वैसे उन शेयरों की ट्रेडिंग के लिए मार्जिन की आवश्यकता भी बढती जाती है।

अदाणी समूह के कितने शेयर हैं एसएसएम फ्रेमवर्क के अंतर्गत?

घरेलू शेयर बाजार में गौतम अदाणी की अगुवाई वाली अदाणी समूह की 10 लिस्टेड कंपनियों में तीन शेयर पिछले साल ही एएसएम फ्रेमवर्क में शामिल हुए हैं। फिलहाल समूह के 10 में पांच शेयर एएसएम फ्रेमवर्क में हैं। इन शेयरों में अदाणी टोटल गैस, अदाणी ट्रांसमिशन, अदाणी ग्रीन एनर्जी, एनडीटीवी लॉन्ग टर्म एएसएम के पहले स्टेज में हैं जबकि अदाणी पावर शॉर्ट टर्म एएसएम के पहले स्टेज में हैं। अदाणी समूह के बाकी शेयरों की फिलहाल एक्सचेंजों की ओर से निगरानी नहीं की जा रही है।

शेयर बाजार में गुड फ्राइडे की छुट्टी, 3 दिन सेंसेक्स-निफ्टी मे नहीं होगा कारोबार

परिवहन विशेष न्यूज

बाजार में अब कारोबार सोमवार को शुरू होगा क्योंकि आज के बाद कल शनिवार और परसों रविवार होने के कारण भी बाजार में कारोबार नहीं होगा। ऐसे में निवेशकों को ट्रेडिंग या शेयरों में निवेश करने का अगला मौका सोमवार को ही मिलेगा।

नई दिल्ली। शेयर बाजार में आज गुड फ्राइडे की छुट्टी रहेगी। इस मौके पर सेंसेक्स-निफ्टी मे नहीं होगा कारोबार नहीं होगा। बाजार में अब कारोबार सोमवार को शुरू होगा क्योंकि आज के बाद कल शनिवार और परसों रविवार होने के कारण भी बाजार में कारोबार नहीं होगा। ऐसे में निवेशकों को ट्रेडिंग या शेयरों में निवेश करने का अगला मौका सोमवार को ही मिलेगा। आज शुक्रवार को इस हफ्ते में यह दूसरी छुट्टी है। इससे पहले मंगलवार को भी महावीर जयंती के मौके पर बाजार बंद थे। इसके अलावे अगले हफ्ते शुक्रवार (14 अप्रैल 2023) को बाबा साहेब अंबेडकर जयंती के मौके पर शेयर बाजार बंद रहेगा।

जानें साल 2023 में और किस-किस दिन शेयर बाजार बंद रहेगा

ईद उल फितर (रमजान ईद),	21 अप्रैल, 2023	शुक्रवार
महाराष्ट्र दिवस,	01 मई, 2023	सोमवार
ईद उल अजहा (बकरीद)	28 जून, 2023	बुधवार
स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त, 2023	मंगलवार
गणेश चतुर्थी	19 सितंबर, 2023	मंगलवार
महात्मा गांधी जयंती	02 अक्तूबर, 2023	सोमवार
दशहरा	24 अक्तूबर, 2023	मंगलवार
दिवाली वलि प्रतिपदा	14 नवंबर, 2023	मंगलवार
गुरुनानक जयंती	27 नवंबर, 2023	सोमवार
क्रिसमस	25 दिसंबर, 2023	सोमवार

गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुए बाजार

आरबीआई-एमपीसी के रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने के फैसले के बाद घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुए। इस दौरान सेंसेक्स 143.66 अंक चढ़कर 59,832.97 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 42.10 अंक बढ़कर 17,599.15 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। इस हफ्ते तीन दिन के कारोबारी सेशन के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी करीब 1.6% तक चढ़े हैं।

दुनिया में बैंकिंग सेक्टर की परेशानी और बढ़ सकती है, पूर्व आरबीआई गवर्नर ने जताई आशंका

ग्लासगो में एक साक्षात्कार के दौरान राजने कहा कि मैं बेहतरी की उम्मीद करता हैं पर आशंका इस बात की है कि हालात और बिगड़ सकते हैं, क्योंकि हाल के दिनों में आशिक रूप से हमने जो कुछ देखा वह अप्रत्याशित था। राजन ने चेताया है कि एसवीबी और क्रेडिट सुइस संकट ने वित्तीय प्रणाली में अंदर गहराई तक व्याप्त समस्याओं की ओर ध्यान खींचा है।

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुख्य अर्थशास्त्री रहते हुए रघुराम राजन ने एक दशक से भी अधिक समय पहले वैश्विक वित्तीय संकट की आशंका जाहिर की थी। अब सिलिकॉन वैली बैंक और क्रेडिट सुइस पर आए हालिया संकट के बाद उन्होंने कहा है कि बैंकिंग सिस्टम और अधिक उथल-पुथल की ओर बढ़ रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रह चुके रघुराम राजन ने कहा है कि बीते एक दशक के दौरान केंद्रीय बैंकों की ओर से उपलब्ध इजी मनी और बेतहाशा लिक्विडिटी की लत लग गई यही संकट तब संकट कारण बनने लगा जब केंद्रीय बैंक अपनी मौद्रिक नीति को कड़ा करने लगे।

केंद्रीय बैंकों के मौद्रिक रुख कड़ा करने से बैंकिंग सेक्टर पर दबाव बढ़ा

ग्लासगो में एक साक्षात्कार के दौरान राजने कहा कि मैं बेहतरी की उम्मीद करता हैं पर आशंका इस बात की है कि हालात और बिगड़ सकते हैं, क्योंकि हाल के दिनों में आशिक रूप से हमने जो कुछ देखा वह अप्रत्याशित था। पूरी चिंता यह है कि बहुत आसान पैसा और लंबी अवधि में हाई लिक्विडिटी विकृत प्रोत्साहन और विकृत संरचनाएं पैदा करती है, यह तब और नाजुक हो जाती हैं जब आप अपना रुख कड़ा कर देते हैं यानी सब कुछ उलट देते हैं। राजन ने चेताया है कि एसवीबी और क्रेडिट सुइस संकट ने वित्तीय प्रणाली में अंदर गहराई तक व्याप्त समस्याओं की ओर ध्यान खींचा है।

घंटों का काम अब मिनटों में, जानिए कैसे एयरटेल 5G प्लस ला रहा है बदलाव

भारत की लीडिंग टेलीकॉम सर्विस प्रदान करने वाली कंपनी भारती एयरटेल ने अपने नेटवर्क पर एक करोड़ यूनीक 5G यूजर्स का आंकड़ा भी पार कर लिया है। आज एयरटेल 5G प्लस देश के लगभग सभी राज्यों में उपलब्ध है।

नई दिल्ली। इंटरनेट के बदलते प्रारूप की बात करें तो आज देश में 5G की सेवाओं का आनंद कई लोग काफी उत्साह के साथ ले रहे हैं। एयरटेल 5G प्लस, जो देश के 500 शहरों में सक्रिय है, उसने अपनी हाई स्पीड इंटरनेट सेवा से बड़े, छोटे सब शहरों को जोड़ दिया है।

एयरटेल ने अक्तूबर 2022 में देश में सबसे पहले एयरटेल 5G प्लस सेवा की शुरुआत की थी और अब भारत की लीडिंग टेलीकॉम सर्विस प्रदान करने वाली कंपनी भारती एयरटेल ने अपने नेटवर्क पर एक करोड़ यूनीक 5G यूजर्स का आंकड़ा भी पार कर लिया है। आज एयरटेल 5G प्लस देश के लगभग सभी राज्यों में उपलब्ध है। आज यह अन्य सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों और 4जी नेटवर्क के मुकाबले लोगों को 30 गुना तक ज्यादा तेज स्पीड से 5G सेवाएं प्रदान करने वाला देश का अग्रणी ब्रांड है।

एयरटेल 5G प्लस के तेज स्पीड नेटवर्क का इस्तेमाल करने से आज कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों से लेकर उद्यमी और लोकल स्तर के गेमर्स अपने-अपने क्षेत्र में काफी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में कुछ यूजर्स ने एयरटेल 5G प्लस को इस्तेमाल करते हुए अपनी कहानी हमारे साथ साझा की है।

अब गेमिंग और स्ट्रीमिंग करें जहां मन चाहे

क्लाउड गेमिंग सेवा गेमर्स को अपने डिवाइस पर गेम डाउनलोड करने की आवश्यकता के बिना ऑनलाइन वीडियो गेम एक्सेस करने और खेलने में सक्षम बनाती है। बेहतर तकनीक के कारण यहां 5G अपनी पूर्ववर्ती तकनीकों पर महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करता है।

असम के गुवाहाटी में रहने वाले मृगांक मेधी पेशे से गेमर हैं और वे काफी समय से एयरटेल यूजर रहे हैं। उन्होंने एयरटेल 5G प्लस के उपयोग को लेकर अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा, 'क्लाउड गेमिंग ठीक से काम करे, इसके लिए तेज़, स्थिर और कम लेटेंसी वाले नेटवर्क की

आवश्यकता होती है। एयरटेल 5G प्लस में मुझे यह सब मिलता है। पहले मैं जब गेमिंग करता था, तो उस समय सबसे बड़ी समस्या डाउनलोडिंग और अपलोड की स्पीड को लेकर थी। साथ ही घर के बाहर लाइव स्ट्रीमिंग के समय वीडियो क्वालिटी अपने आप ही कम हो जाती थी।"

मृगांक बताते हैं, "एयरटेल 5G प्लस आने से बड़ा बदलाव डाउनलोड की स्पीड के क्षेत्र में आया। अब बहुत ही आराम से 200-300 MBPS की स्पीड से डाउनलोडिंग का काम बेहद कम समय में हो जाता है। एयरटेल 5G प्लस आने के बाद लाइव स्ट्रीमिंग काफी हाई क्वालिटी में हो जाती है। क्यूंकि अब हमें घर के बाहर भी wifi जैसी स्पीड्स मिलती हैं। साथ ही हमारे यहां गुवाहाटी के लोगों को भी एयरटेल 5G प्लस से काफी फायदा हुआ है, जैसे वो अब कहीं से भी 5G नेटवर्क का इस्तेमाल करके अपने पसंद की चीजें कम समय में डाउनलोड कर सकते हैं।"

एयरटेल 5G प्लस अपनी ओन-द-गो कनेक्टिविटी और अनलिमिटेड डाटा ऑफर के साथ लोगों को अपने हिसाब से काम करने में सक्षम बना रहा है। एयरटेल अब 30 गुना तक ज्यादा इंटरनेट स्पीड के साथ सभी उपयोगकर्ताओं को काफी लोगों को फायदा पहुंचा रहा है।

इंटरनेट उद्यमियों को बिजनेस में फायदा

पानीपत के रहने वाले रोहित गोदरा लाइन प्रोडक्शन का काम करते हैं। उन्होंने एयरटेल 5G प्लस को लेकर अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि मेरा सारा काम इंटरनेट से होता है, ऐसे में एयरटेल 5G प्लस के आने से बिजनेस में काफी फायदा हुआ है, जिसके कारण हमारे काम काफी तेजी से और कम समय में हो जाते हैं। अब 2-3 जीबी की फाइल दो मिनट से भी कम समय में डाउनलोड हो जाती है। रोहित ने आगे बताया कि उन्हें एयरटेल की सर्विस बेस्ट लगती है, फिर वो कॉलिंग के मामले में हो या फिर इंटरनेट के।

रोहित ने आगे बताया कि वो पिछले छह-सात वर्षों से एयरटेल के नियमित ग्राहक रहे हैं और उन्हें एयरटेल की सर्विस बेस्ट लगती है, फिर वो कॉलिंग के मामले में हो या फिर इंटरनेट के। वे कहते हैं कि मैं पानीपत के पास एक छोटे कस्बे में रहता हूं और यहां पर इंटरनेट के मामले में मुझे एयरटेल 5G प्लस की सर्विस ज्यादा बेहतर लगती है।

एयरटेल 5G प्लस की शुरुआत भारत में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाई है, जहां लोग अब हाई-स्पीड इंटरनेट सेवाओं का अनुभव कर रहे हैं। गेमर्स और उद्यमियों के साक्ष्यों ने यह दिखाया है कि एयरटेल 5G प्लस अपने संबंधित क्षेत्रों में वास्तविक अंतर ला रहा है, जिससे तेज डाउनलोड, बेहतर स्ट्रीमिंग गुणवत्ता और तेज व्यावसायिक संचालन का मौका प्रदान करती है। जैसे-जैसे अधिक उपयोगकर्ता एयरटेल 5G प्लस की wifi जैसी स्पीड का अनुभव घर के बाहर भी कर रहे हैं और 30 गुना तक तेज स्पीड के साथ, यह स्पष्ट होता जा रहा है कि यह सेवा सभी शहरों में लोगों के सपनों को नयी उड़ान दे रही है।

एयरटेल 5G से जुड़ी नियम और शर्तों को जानने के लिए वेबसाइट पर जाइए।

ओपेक प्लस देशों की ओर से कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती का फैसला, जानें भारत पर क्या असर

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारतीय अधिकारियों का मानना है कि सउदी अरब और रूस समेत सभी ओपक प्लस देशों की ओर से पेट्रोलियम पदार्थों के उत्पादन में कटौती का देश पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उनका तर्क है कि भारतीय रिफाइनरों को मौजूदा दरों पर ही कच्चे तेल की निर्बाध आपूर्ति के लिए पहले ओ आश्वस्त कर दिया गया है।

पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओआईसी) की ओर से विकसित अर्थव्यवस्थाओं से कम मांग की आशंका में कच्चे तेल के उत्पादन में 16 लाख बैरल प्रतिदिन की कटौती करने के फैसले से मध्यम से दीर्घ अवधि में भारत पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। भारत अपनी 4.9 मिलियन बैरल प्रतिदिन (mbpd) की जरूरतों का 85 प्रतिशत क्रूड ऑयल आयात करता है। क्रूड ऑयल के हर बैरल की कीमत में अगर 10 डॉलर का इजाफा होता है तो भारत का आयात बिल सालाना 15 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है। जानकारों के अनुसार यह देश की जीडीपी का करीब 0.51% प्रतिशत है।

भारतीय अधिकारियों का मानना है कि सउदी अरब और रूस समेत सभी ओपक प्लस देशों की ओर से पेट्रोलियम पदार्थों के उत्पादन में कटौती का देश पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उनका तर्क है कि भारतीय रिफाइनरों को मौजूदा दरों पर ही कच्चे तेल की निर्बाध आपूर्ति के लिए पहले ओ आश्वस्त कर दिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार वैश्विक कीमतों पर लगने के बाद कई रिपोर्ट में भारत की ओर से खरीदारी पैटर्न में बदलाव की बात कही गई है लेकिन मौजूदा हालत में भारतीय रिफाइनरों को पहले से जारी अनुकूल खरीद करार का लाभ मिलता रहेगा। 2018 के आंकड़ों के अनुसार 13 अहम तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक जिनमें सऊदी अरब, ईरान, इराक और वेनेजुएला जैसे देश शामिल हैं कुल वैश्विक उत्पादन में करीब 44 फीसदी की हिस्सेदारी रखते हैं। वहीं पूरी दुनिया के तेल भंडारों में उनकी हिस्सेदारी 81.5 फीसदी है।

भारत पर क्यों नहीं पड़ेगा असर?

भारत लगातार छह महीनों से सबसे अधिक कच्चा तेल रूस से आयात कर रहा है। लंदन की कॉमोडिटी डेटा एनालिस्ट वोर्टेक्सा के अनुसार भारत ने कच्चे तेल के अपने कुल आयात का 35 फीसदी रूस से ही हासिल किया है। भारत ने मार्च में 16.4 बैरल रोजाना तेल का आयात किया फरवरी में आंकड़ा 16 लाख बैरल रोजाना का था। जनवरी में यह आंकड़ा 14 लाख बैरल और दिसंबर में 10 लाख बैरल रहा था। ल विपणन कंपनी के एक अधिकारी के अनुसार भारत और रूस के बीच डॉलर की बताय रुपये में कारोबार अब शुरू हो गया है। इससे दोनों देशों के बीच होने वाले कच्चे तेल के आयात-निर्यात के वॉल्यूम में बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में उत्पादन में कटौती के बावजूद देश में कच्चे तेल की आपूर्ति पहले की तरह बनी रह सकती है।

जरूरत पड़ने पर ही डेयरी उत्पादों का कर सकते हैं आयात, सरकार ने बढ़ती मांग के बीच दी मंजूरी

परिवहन विशेष न्यूज

सरकार ने माना कि डेयरी क्षेत्र में कोविड-19 महामारी के बाद मुख्य रूप से बढ़ी हुई मांग के कारण पौष्टिक, सुरक्षित और स्वच्छ दूध और दुग्ध उत्पादों की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर देखा गया है।

नई दिल्ली। गर्मी की मांगों को पूरा करने के लिए डेयरी सहकारी समितियों की मदद करने के लिए भारत फैट और पाउडर जैसे डेयरी उत्पादों का जरूरत पड़ने पर आयात कर सकता है। मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय की ओर से गुरुवार शाम जारी एक विज्ञप्ति में यह बात कही गई है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि आयात की जरूरत होने पर सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि इसे केवल अपनी एजेंसी राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के माध्यम से भेजा जाए और उचित मूल्यांकन के बाद जरूरतमंदों को बाजार मूल्य पर स्टॉक दिया जाएगा।

हालांकि, सरकार ने माना कि डेयरी क्षेत्र में कोविड-19 महामारी के बाद मुख्य रूप से बढ़ी हुई मांग के कारण पौष्टिक, सुरक्षित और स्वच्छ दूध और दुग्ध उत्पादों की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर देखा गया है।

यह मामला सांसद शरद पवार द्वारा पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला को लिखे गए एक पत्र के बाद आया है। शरद पवार ने पत्र में संभावित आयात पर एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला दिया है, जिसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार का कोई भी फैसला पूरी तरह से अस्वीकार्य होगा क्योंकि इन उत्पादों के आयात से घरेलू दुग्ध उत्पादकों की आय पर सीधा असर पड़ेगा।

पवार ने एक ट्वीट में मंत्री के साथ अपने पत्र और उनके द्वारा संदर्भित समाचार लेख को संलग्न करते हुए कहा कि डेयरी किसान हाल ही में अभूतपूर्व कोविड-19 संकट से बाहर आए हैं और इस तरह के निर्णय से डेयरी क्षेत्र के पुनरुद्धार की प्रक्रिया गंभीर रूप से बाधित होगी। कृपया मेरी चिंता पर ध्यान दिया जाए। मुझे खुशी होगी अगर इस मामले पर गौर किया जाएगा और मंत्रालय दुग्ध उत्पादों के आयात के लिए कोई भी निर्णय लेने से खुद को रोके। मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए और इस तथ्य पर विचार करते हुए कि आगामी गर्मी के मौसम में दूध की आपूर्ति कम हो सकती है। मिल्क फैट और मिल्क पाउडर के आयात के लिए कई डेयरी सहकारी समितियों ने मांग की थी। उनकी मांगों को देखते हुए भारत सरकार के साथ एनडीडीबी मांग और आपूर्ति की स्थिति की निगरानी कर रहा है। चूंकि आयात की प्रक्रिया में समय लगता है, इसलिए किसी भी आकस्मिकता की स्थिति में स्थिति को समय पर प्रबंधित करने के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं की जा रही हैं।

सरकार के अनुसार प्रारंभिक तैयारी, यह सुनिश्चित करेगी कि बाजार में स्थिति खराब न हो और भारत के डेयरी किसान के हितों की रक्षा की जाए, जो सरकार द्वारा लिए गए किसी भी निर्णय के लिए सर्वोपरि और केंद्रीय है।

देश में कोरोना ने पकड़ी रफ्तार, 24 घंटे में 6050 केस आए; बीते दिन से 13 फीसदी बढ़े नए केस

इससे पहले गुरुवार को देश में 195 दिन बाद कोरोना 5,335 नए मामले आए थे। पिछले साल 23 सितंबर को कोरोना के 5,383 दैनिक मामले सामने आए थे। देश में अब तक 4.47 कारोड़ लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं।

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। शुक्रवार को सामने आए आंकड़ों के मुताबिक, बीते 24 घंटे में 6050 कोरोना संक्रमितों की पहचान की गई है। यह बीते दिन मिले नए केसों से करीब 13 फीसदी ज्यादा है। देश में कोरोना के सक्रिय केस यानी उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 28,303 हो गई है। इससे पहले गुरुवार को देश में 195 दिन बाद कोरोना 5,335 नए मामले आए थे। पिछले साल 23 सितंबर को कोरोना के 5,383 दैनिक मामले सामने आए थे। देश में अब तक 4.47 कारोड़ लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं।

203 दिन बाद आए 6050 केस

भारत में 203 दिन बाद एक दिन में कोरोना के 6,050 नए मामले आए हैं। इससे पहले पिछले साल 16 सितंबर को संक्रमण के 6,298 दैनिक मामले सामने आए थे। देश में अब तक 4.47 करोड़ से ज्यादा लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। बीते दिन महाराष्ट्र में तीन, कर्नाटक तथा राजस्थान में दो-दो और दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर तथा पंजाब में एक-एक मरीज की मौत हुई। देश में संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 5.30 लाख के पार पहुंच गई है। साथ ही संक्रमण से मौत की संशोधित सूची जारी करते हुए केरल ने एक नाम और जोड़ा है।

ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.75 फीसदी

स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े के मुताबिक, देश में अभी 28,303 कोरोना संक्रमितों का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 0.6 फीसदी है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.75 फीसदी है। देश में संक्रमण की दैनिक दर 3.39 फीसदी और साप्ताहिक दर 3.02 फीसदी है। अब तक कुल 4.41 करोड़ लोग संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। वहीं, कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। देश में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत कोविड-19 रोधी टीकों की 220.66 करोड़ खुराक लगाई जा चुकी हैं।

38.2 फीसदी मामले एक्सबीबी.1.16 वैरिएंट के

देश के विभिन्न हिस्सों में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच पता चला है कि सामने आ रहे नए मामलों में वायरस का एक्सबीबी.1.16 वैरिएंट सबसे ज्यादा देखा जा रहा है। अब तक कोविड-19 के जितने मामले सामने आए हैं, उनमें से 38.2 फीसदी इसी स्वरूप के हैं। भारतीय सार्स कोव-2 जीनोमिक संगठन (आईएनएसएसीओजी) के नए बुलेटिन में यह जानकारी दी गई है। गुरुवार को जारी 27 मार्च के बुलेटिन में कहा गया कि मार्च 2023 के तीसरे सप्ताह तक एकत्र किए गए नमूनों में से एक्सबीबी सबसे आम तौर पर प्रसारित होने वाला ओमिक्रॉन उपस्वरूप रहा है।

देश में ऐसे बढ़ी कोरोना की रफ्तार

सात अगस्त 2020 को कोरोना संक्रमितों की संख्या 20 लाख हुई

23 अगस्त 2020 तक 30 लाख लोग कोरोना की चपेट में आए

पांच सितंबर 2020 तक 40 लाख से अधिक संक्रमित हुए

संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख पहुंचे

28 सितंबर 2020 तक 60 लाख लोग कोरोना संक्रमित हुए

11 अक्तूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्तूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर 2020 तक आकड़ा 90 लाख के पार पहुंचा

19 दिसंबर 2020 को कोरोना के कुल मामले एक करोड़ से अधिक हो गए

चार मई 2021 को संक्रमितों की आंकड़ा दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंचा

21 राज्य के 72 जिले रेड अलर्ट

बीते चार सप्ताह से देश में लगातार बढ़ते कोरोना मामलों के चलते 21 राज्य के 72 जिले रेड अलर्ट में आए हैं। इन जिलों में बीते सप्ताह के दौरान 12 से 100 फीसदी तक सैंपल कोरोना संक्रमित मिले हैं। जानकारी मिली है शुक्रवार को होने वाली बैठक में अधिक संक्रमण प्रसारित होने वाले जिलों पर चर्चा करते हुए यहां कोविड सतर्कता नियमों पर सख्ती करने का फैसला लिया जा सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, जिन जिलों में कोरोना का साप्ताहिक संक्रमण 10 फीसदी से अधिक है, वहां मास्क अनिवार्य किया जा सकता है। इसके अलावा इन क्षेत्रों में भीड़ पर नियंत्रण से जुड़े दिशा-निर्देश भी लागू हो सकते हैं।

इन राज्यों की स्थिति चिंताजनक

दिल्ली, केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु के सबसे अधिक जिले रेड अलर्ट में हैं। दिल्ली के 11 में से नौ जिलों में सबसे अधिक संक्रमण है, दिल्ली के एक छोर पर गुरुग्राम-फरीदाबाद तो वहीं, दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर में एक समान स्थिति देखने को मिल रही है। इन तीनों जिलों में संक्रमण दर क्रमशः 12.84, 12.06 और 11.72 फीसदी है।

नए स्वरूप का बर्ताव पता लगा पाना फिलहाल मुश्किल

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर कहा कि सरकार इस पर लगातार नजर बनाए हुए है और राज्यों को एडवायजरी भी जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के लगातार नए वेरिएंट सामने आ रहे हैं, जो चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के वेरिएंट और सब वेरिएंट्स के मामलों की स्टडी की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अभी तक जो मामले सामने आए हैं, उन्हें खतरनाक नहीं कहा जा सकता है। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि कोरोना मामलों में उछाल को देखते हुए सावधानी बरतनी होगी।

मंडाविया की अध्यक्षता में स्वास्थ्य मंत्रियों की समीक्षा बैठक

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, नए मरीजों की संख्या बढ़ने के चलते सक्रिय मामले भी बढ़कर 25,587 तक पहुंच गए हैं। बीते दिन 2,826 मरीजों को स्वस्थ घोषित किया गया। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोरोना की जांच बढ़ने के साथ ही संक्रमित रोगियों की संख्या बढ़ती दिखाई दे रही है।

देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसको देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में आज सभी

राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों की उच्च स्तरीय बैठक चल रही है। देशभर में बीते 24 घंटे में कोरोना के पांच हजार से ज्यादा लोग संक्रमित मिले हैं। इससे पहले गुरुवार को कोरोना के पांच हजार से ज्यादा केस आए थे, जो छह महीने में सबसे अधिक है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, नए मरीजों की संख्या बढ़ने के चलते सक्रिय मामले भी बढ़कर 25,587 तक पहुंच गए हैं। बीते दिन 2,826 मरीजों को स्वस्थ घोषित किया गया। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोरोना की जांच बढ़ने के साथ ही संक्रमित रोगियों की संख्या बढ़ती दिखाई दे रही है। पिछले सप्ताह की तुलना में इस सप्ताह दैनिक जांच में इजाफा हुआ है। बीते दिन 1.60 लाख से अधिक सैंपल की जांच हुई है जिसमें 3.32 फीसदी संक्रमित पाए गए। यही वजह है कि नए मरीजों की संख्या अधिक दर्ज की जा रही है। मंत्रालय के अनुसार, देश में कोरोना की साप्ताहिक संक्रमण दर 2.89 फीसदी है।

मजबूत इम्यूनिटी रोक सकती है कोरोना का खतरा

नई दिल्ली। पिछले एक महीनों में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण स्थिति बिगड़ने लगी है। मार्च महीने तक कोरोना ने काफी तेजी से रफ्तार पकड़ ली है। वहीं आंकड़े बताते हैं कि मार्च में देश में संक्रमण के कारण मृत्यु के आंकड़ों में 114 फीसदी का वृद्धि हुई है। अब तक भारत समेत वैश्विक स्तर पर कोरोना वायरस के कई वैरिएंट देखने को मिले। देश में बढ़ रहे संक्रमण में ओमिक्रॉन के सब वैरिएंट XBB.1.16 को कारण माना जा रहा है। इसके म्यूटेशन अन्य ओमिक्रॉन वैरिएंट्स से अधिक संक्रामकता वाले बताए जा रहे हैं। जिन लोगों की इम्यूनिटी कमजोर है या जो कोमोरबिडिटी के शिकार हैं, उन लोगों गंभीर रोग विकसित होने का खतरा भी हो सकता है।

आज विश्व स्वास्थ्य दिवस है। विश्व स्वास्थ्य दिवस बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी कदम उठाने और स्वास्थ्य के लिए जागरूकता लाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। ऐसे में वैश्विक स्तर पर कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे को कम करने के लिए संक्रमण से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक होकर इसके प्रसार को रोका जा सकता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि योग कई रोगों से बचाव के लिए फायदेमंद है। योगाभ्यास से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और संक्रमण के शिकार होने की संभावना कम होती है। विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर वैश्विक समस्या के तौर पर उभरे कोविड 19 से खुद को बचाने के लिए इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत करने के लिए यहां कुछ योगासनों के बारे में बताया जा रहा है।

कोरोना के संक्रमण से बचने के लिए इम्यूनिटी को बढ़ाने की जरूरत होती है। कपालभाति प्राणायाम लॉन्ग कोविड के जोखिमों को कम करने और इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए फायदेमंद आसन है। श्वसन पर आधारित यह योग शरीर में ऊर्जा के संचार को बढ़ावा देना है, साथ ही फेफड़े और हृदय के स्वास्थ्य में सुधार करने में काफी मदद करता है। संक्रमण के बाद शरीर के अंगों में होने वाली समस्याओं, थकावट और कमजोरी से तेज रिकवरी के लिए भी कपालभाति प्राणायाम का अभ्यास करें।

कोरोना संक्रमण के जोखिमों को कम करने के लिए दिनचर्या में मार्जरी आसन के अभ्यास को शामिल करें। इससे लॉन्ग कोविड की समस्या में काफी राहत मिलती है। इस आसन के अभ्यास से पूरे शरीर की स्ट्रेचिंग होती है और रीढ़ व पेट के अंगों से अतिरिक्त तनाव कम होता है। इस कारण रक्त संचार बढ़ता है।

संयुक्त आंध्र के आखिरी सीएम किरण रेड्डी भाजपा में शामिल, बीते महीने छोड़ा था कांग्रेस का हाथ

दक्षिण की राजनीति में अपने पैर पसारने की तैयारी कर रही भाजपा के लिए यह एक बड़ी सफलता है। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद किरण रेड्डी ने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे कांग्रेस छोड़नी पड़ेगी।

नई दिल्ली। कांग्रेस को लगातार दो दिन में दो बड़े झटके लगे हैं। भाजपा के स्थापना दिवस छह अप्रैल को केरल के पूर्व मुख्यमंत्री एके एंटनी के पुत्र अनिल एंटनी ने भाजपा का दामन थाम लिया था। इसके ठीक दूसरे दिन यानी सात अप्रैल को आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री किरण रेड्डी ने भाजपा का दामन थाम लिया। दक्षिण की राजनीति में अपने पैर पसारने की तैयारी कर रही भाजपा के लिए यह एक बड़ी सफलता है। किरण रेड्डी ने बीती 12 मार्च को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना इस्तीफा भेजा था। उसके बाद से ही किरण रेड्डी के भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तेलंगाना दौरे के ठीक एक दिन पहले किरण कुमार रेड्डी के भाजपा में शामिल होने को विशेष महत्त्व का माना जा रहा है।

भाजपा से जुड़ने के समय किरण कुमार रेड्डी ने कांग्रेस पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का वर्तमान नेतृत्व यह नहीं समझ पा रहा है कि किस नेता को किस स्तर पर क्या जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। इसके कारण पार्टी के अनेक नेताओं में गहरा असंतोष है। उन्होंने कहा कि उनका परिवार कई दशकों से कांग्रेस के प्रति समर्पित रहा है, लेकिन उनके जैसे नेताओं की उपेक्षा से पार्टी लगातार कमजोर हो रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का भविष्य इसी बात से समझा जाना चाहिए कि एक समय 400 से ज्यादा सीटें हासिल करने के बाद आज वह अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है, जबकि एक समय केवल दो सीटों पर रहने वाली भाजपा लगातार आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की सेवा में लगातार लोगों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि दूसरी तरफ कोई अपने लोगों को संभाल कर रख पाने में भी असमर्थ हो रहा है।

आंध्र प्रदेश के चार बार विधायक और स्पीकर रहे किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि भाजपा का पूरा नेतृत्व राष्ट्र निर्माण की भावना से आगे बढ़ रहा है। पार्टी नेताओं के साथ-साथ भाजपा का सामान्य कार्यकर्ता भी इसी भावना से आगे बढ़ रहा है। यह भावना आसानी से नहीं आती है, इसके लिए लंबे समय से भाजपा के शीर्ष नेताओं ने परिश्रम किया है और कार्यकर्ताओं के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं। भाजपा की नीति और दिशा बिल्कुल साफ है। वे गरीबों और युवाओं के लिए समर्पित हैं।

किरण कुमार रेड्डी के शामिल होने के अवसर पर पार्टी नेता प्रह्लाद जोशी ने कहा कि पूर्व क्रिकेटर रहे किरण कुमार रेड्डी अब भाजपा के लिए बैटिंग करेंगे। वे रणजी स्तर तक क्रिकेट खेल चुके हैं। उन्होंने कहा है कि वे प्रधानमंत्री मोदी के भ्रष्टाचार से लड़ाई में अपना योगदान देना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने भाजपा से जुड़ने का निर्णय किया है।

संयुक्त आंध्र प्रदेश के रहे आखिरी मुख्यमंत्री

किरण कुमार रेड्डी संयुक्त आंध्र प्रदेश के आखिरी मुख्यमंत्री रहे। साल 2014 में जब तत्कालीन यूपीए सरकार ने आंध्र प्रदेश का बंटवारा कर उसे आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में विभाजित करने का फैसला किया तो किरण कुमार रेड्डी ने सरकार के इस फैसले का विरोध किया था। किरण रेड्डी ने विरोध स्वरूप कांग्रेस से इस्तीफा देकर अपनी अलग पार्टी जय समैक्य आंध्र बनाई थी। हालांकि साल 2018 में वह फिर से कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

इशारों-इशारों में बड़ी बात कह गए किरण रेड्डी

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी की मौजूदगी में किरण कुमार रेड्डी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान किरण रेड्डी के परिवार के कुछ सदस्य भी मौजूद रहे। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि 'कांग्रेस आलाकमान के गलत फैसलों की वजह से राज्य दर राज्य पार्टी टूट रही है। यह एक राज्य की बात नहीं। एक पुरानी कहानी है कि मेरा राजा बहुत बुद्धिमान है, वह अपने आप नहीं सोचता और न ही किसी का सुझाव मानता है। आप सबको पता चल गया होगा कि मैं क्या कहना चाहता हूं।' रेड्डी ने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे कांग्रेस छोड़नी पड़ेगी।

बताई कांग्रेस छोड़ने की वजह

कांग्रेस पार्टी लोगों के मत को नहीं समझ पा रही है। कांग्रेस पार्टी न तो विश्लेषण कर रही है कि गलती क्या है और न ही वे सही करना चाहते हैं। वह यही सोचते हैं कि मैं ही सही हूं और देश की जनता सहित बाकी सब गलत हैं। इसी विचारधारा कि वजह से मैंने पार्टी छोड़ने का फैसला लिया। गौरतलब है कि दक्षिण भारत की राजनीति में अपने आप को मजबूत करने की कोशिशों में जुटी भाजपा के लिए यह बड़ी सफलता है। गुरुवार को ही पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी ने भी भाजपा का दामन थाम लिया था।

तलवंडी साबो में आज सरेंडर करेगा अमृतपाल! पंजाब पुलिस तैयार, 14 अप्रैल तक कर्मियों की छुट्टियां रद्द

परिवहन विशेष न्यूज

वारिस पंजाब दे का प्रमुख और खालिस्तान समर्थक 18 मार्च से फरार है। पुलिस उसे ढूंढने की पुरजोर कोशिश में जुटी है। फरारी के दौरान अमृतपाल के कई वीडियो और ऑडियो सामने आए हैं। हालांकि 21 दिन बाद भी पंजाब पुलिस के हाथ अभी खाली हैं।

चंडीगढ़। श्री अकाल तख्त के जत्थेदार हरप्रीत सिंह की ओर से बुलाई गई विशेष सभा तलवंडी साबो के तख्त श्री दमदमा साहिब में शुरू हो गई है। अंदेशा जताया जा रहा है कि करीब 20 दिन से भगोड़ा चल रहा वारिस पंजाब दे का प्रमुख अमृतपाल सिंह यहां आत्मसमर्पण कर सकता है। तलवंडी साबो में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है।

पंजाब पुलिस की छुट्टियां रद्द

दूसरी तरफ इस बात को लेकर पंजाब पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां भी हरकत में आ गई हैं। पंजाब पुलिस के सभी कर्मचारियों की छुट्टियां 14 अप्रैल तक रद्द कर दी गई हैं। 14 तक किसी कर्मी को छुट्टी नहीं दी जाएगी वहीं पहले से स्वीकृत अवकाश भी रद्द कर दिए गए हैं।

पुलिस की कोशिश है कि वह किस भी धार्मिक स्थल में प्रवेश न कर पाए। इतना ही नहीं पुलिस की तरफ से विशेष सर्च ऑपरेशन तक चलाया गया है। हालांकि पुलिस अधिकारी इस बारे में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

इससे पहले अमृतपाल ने एक वीडियो जारी कर जत्थेदार से सरबत खालसा बुलाने की मांग की थी लेकिन अकाल तख्त के जत्थेदार ने ऐसा न कर सीधे शुक्रवार को विशेष सभा बुलाई है। सूत्रों की माने तो 27 मार्च को जब अमृतपाल सिंह व उसका साथी पपलप्रीत होशियारपुर में पहुंचे थे, तो उन्होंने एक

गुरुद्वारे में शरण ली थी। इस दौरान गुरुद्वारे के एक प्रमुख व्यक्ति ने अमृतसर जाकर जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह से मुलाकात की थी। उसके माध्यम से अमृतपाल सिंह ने सरेंडर करने की बात वहां तक पहुंचाई थी लेकिन वह उसमें कामयाब नहीं हो पाए थे। हालांकि यह बात साफ हो गई जिस गुरुद्वारे में अमृतपाल रुका था उसका वहां से पुराना लिंक था। फरवरी के पहले हफ्ते में वह वहां पर हुए समागम में शामिल हुआ था। इस संबंधी उस एरिया में पोस्टर भी लगे हुए हैं। ऐसे में अब एजेंसियां पूरी तरह से अलर्ट हैं। इसके अलावा इंटरनेशनल सीमा की तरफ विशेष नाके लगाए जा रहे हैं ताकि उसको काबू किया जा सके।

राजमिस्त्री का बेटा बना बिहार मैट्रिक टॉपर, पूरे राज्य में पाई आठवीं रैंक

पटना। बिहार बोर्ड मैट्रिक रिजल्ट जारी होने के बाद हम आपको सभी टॉपर्स से मिलवा रहे हैं। बक्सर जिले के पवनी में राजमिस्त्री के बेटे ने मैट्रिक की परीक्षा में पूरे सूबे में आठवां स्थान प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया है। अजीत ने बिहार बोर्ड मैट्रिक मेरिट लिस्ट में 478 अंक यानी 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए आठवीं रैंक पाई है। अजीत के पिता शंभूनाथ सिंह राजमिस्त्री हैं और गांव में भवन निर्माण कार्यों में दैनिक मजदूरी पर काम करते हैं।

> बिहार बोर्ड मैट्रिक रिजल्ट जारी होने के बाद हम आपको सभी टॉपर्स से मिलवा रहे हैं। बक्सर जिले के पवनी में राजमिस्त्री का बेटा मैट्रिक की परीक्षा में पूरे सूबे में आठवां स्थान प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाने का काम किया है।

बिहार बोर्ड मैट्रिक रिजल्ट जारी होने के बाद हम आपको सभी टॉपर्स से मिलवा रहे हैं। बक्सर जिले के पवनी में राजमिस्त्री के बेटे ने मैट्रिक की परीक्षा में पूरे सूबे में आठवां स्थान प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया है। अजीत ने बिहार बोर्ड मैट्रिक मेरिट लिस्ट में 478 अंक यानी 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए आठवीं रैंक पाई है। अजीत के पिता शंभूनाथ सिंह राजमिस्त्री हैं और गांव में भवन निर्माण कार्यों में दैनिक मजदूरी पर काम करते हैं। अजीत ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता - पिता के अलावा विद्यालय के शिक्षकों दिया है। अजीत आगे चलकर डिफेंस में जाकर देश सेवा करना चाहता है। साथ ही अजीत ने बताया कि हमे पढ़ाई के लिए परिजनों ने कभी दबाव नहीं बनाया है लेकिन जब भी समय मिलता था उसमें मन लगाकर अध्ययन करता था। पिता शंभूनाथ सिंह ने बताया कि पढ़ाई के दौरान बेटे के लिए जो भी जरूरी आवश्यकता होती थी, पूरी करने का प्रयास करता हूं। आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उसे गांव के ही सरकारी उत्क्रमित मध्य विद्यालय में पढ़ने के लिए भेज रहे थे। वहीं, अजीत शुरू से ही होनहार रहा और हमेशा टॉप करता रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए लेखक स्वयं जिम्मेदार हैं। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023